{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 14 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 321
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	78,079.96
निफ्टी	-	24,395.85
सोना	-	1,62,427
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	95.42

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

दिल्ली दंगा केस में 13 आरोपी बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने गुरुवार को 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने इस मामले में आरोपी बनाए गए 13 व्यक्तियों को बरी कर दिया है। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष के मुख्य गवाह की गवाही संदेह के घेरे में थी। इस कारण आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध नहीं हो सके। अदालत ने कहा कि गवाह की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगे थे। ऐसे में किसी भी आरोपी को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा। दंगा मामलों में अक्सर गवाहों की पहचान और उनकी गवाही की सत्यता एक बड़ी चुनौती होती है। इस मामले में भी अभियोजन पक्ष पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रहा। आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया गया है। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया के महत्वपूर्ण सिद्धांत को दर्शाता है।

लेह-लद्दाख में 5.5 तीव्रता का भूकंप

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। भूकंप के झटके सुबह करीब 6:05 बजे महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के साथ ही प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लद्दाख भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, इसलिए यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं।

कर्नाटक सरकार ने तंबाकू गुटखा, पान मसाला और निकोटीन पर लगाया बैन

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू-निकोटीन वाले उत्पादों पर एक साल की रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सिर्फ बिक्री पर नहीं है। इसके साथ ही यह बैन बनाने में, स्टोर करने में, सामान को इधर से उधर भेजने-पहुंचाने में भी लागू रहेगा, जिसके बाद पूरे राज्य में जांच अभियान तेज कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक राज्य के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू या निकोटीन वाले दूसरे संबंधित उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है।

कुछ ना कहना

आखिरी दिन लोकसभा 1 मिनट, राज्यसभा 1 घंटे चली,19 दिन में 114 घंटे के मुकाबले 19 घंटे भी नहीं चली लोकसभा, राज्यसभा का भी बुरा हाल

संसद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित...

-लोकसभा की प्रोडक्टिविटी सिर्फ 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा 39.17 प्रतिशत पर सिमटी -हंगामे, नारेबाजी और स्थगन से अहम मुद्दों व विधेयकों पर नहीं हुई चर्चा, बिना चर्चा बिल पास

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। इस दिन भी दोनों सदनों में भयंकर हंगामा मचा इस बार का मानसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। चंदा चोरी, जंतर-मंतर पर हुए छात्रों के प्रदर्शन और लाठीचार्ज,एफसीआरए बिल जैसे कई मुद्दे ऐसे रहे जो कि चर्चा के केंद्र में थे। दोनों सदनों में कामकाज बहुत कम हुआ। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के मुताबिक, इस सत्र में कुल 19 बैठकें प्रस्तावित थीं दोनों को मिलाकर करीब 114-114 घंटे कामकाज होना था, लेकिन हंगामे, नारेबाजी और बार-बार स्थगन के चलते दोनों सदन इस लक्ष्य के आसपास भी नहीं पहुंच पाए। डेटा के मुताबिक इस सत्र में कुल 173 घंटे 10 मिनट बर्बाद हो गए। इस बीच नेताओं की आपसी बहसों के चलते टेक्सपेयर्स आम आदमी का करीब 175 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

आंकड़ों के अनुसार राज्यसभा की प्रोडक्टिविटी इस सत्र में महज 39.17 प्रतिशत रही। राज्यसभा में भी करीब 114 घंटे काम होना था, लेकिन कार्यवाही लगभग 37 घंटे 20 मिनट ही चली। करीब 76 घंटे 40 मिनट का समय काम नहीं हो सका। पूरे सत्र के दौरान विपक्षी सांसद लगातार अलग-अलग मुद्दों पर सदन में हंगामा करते रहे। छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा हो या अन्य राजनीतिक विवाद, इन वजहों से सदन की कार्यवाही रोज़ाना कई बार दोपहर या शाम तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि सरकार अहम सवालों से बचने की कोशिश कर रही है, जबकि सत्तापक्ष का कहना रहा कि वह चर्चा के लिए हमेशा तैयार था।

लोकसभा की सिर्फ 19 प्रतिशत प्रोडक्टिविटी

अगर राज्यसभा का हाल बुरा था, तो लोकसभा की स्थिति उससे भी ज्यादा खराब रही। पीआरएस के मुताबिक मानसून सत्र 2026 में लोकसभा की प्रोडक्टिविटी घटकर सिर्फ 19 प्रतिशत रह गई। सदन सिर्फ 17 घंटे 30 मिनट चला। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट का समय काम नहीं हो सका। लोकसभा में भी हंगामे की यही कहानी दोहराई गई। कई अहम विधेयकों पर चर्चा प्रभावित हुई, यहां तक कि जिन विधेयकों को पारित किया जाना था, उन पर भी ठीक से बहस नहीं हो सकी। सदन की कार्यवाही लगभग हर दिन दोपहर 12 बजे, फिर 2 बजे और कई बार शाम 5 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। अंतिम दिन भी सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध खत्म नहीं हो सका और लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा।

लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ

मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है। इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चली। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट कम कार्यवाही हुई। वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुईं। लोकसभा में सिर्फ 37 घंटे काम हुआ था।

राज्यसभा में 114 घंटे में से 76 घंटे 34 मिनट काम नहीं हुआ

मानसून सत्र में राज्यसभा की बैठकें भी लोकसभा के बराबर रहीं और 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन राज्यसभा में लगभग 37 घंटे 24 मिनट काम हुआ। यानी करीब 76 घंटे 36 मिनट कम कार्यवाही हुई।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है। राज्यसभा में पेश किए गए दोनों बिल भी लोकसभा से पास हो चुके हैं।

दोनों सदनों से 11 बिल हुए पास

विधायी कामकाज की बात करें तो सरकार के खाते में दोनों सदनों से 11 बिल पास हुए। इनमें सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधन रोकथाम, राष्ट्रीय सम्मान, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, सुप्रीम कोर्ट जजों की संख्या, एमएसएमई, टैक्सेशन, बैंकर्स बुक्स एविडेंस, ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स, केरल नाम परिवर्तन, एनसीडीसी और एमएमडीआर संशोधन विधेयक शामिल हैं। लेकिन चर्चा के मोर्चे पर लोकसभा में सिर्फ नकल रोकने वाले विधेयक पर चर्चा हो सकी और आखिरी दिन भी हंगामा खत्म नहीं हुआ। राज्यसभा में एमएमडीआर संशोधन बिल पास होने के बाद कार्यवाही स्थगित हुई। इसी दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया। राज्यसभा के आंकड़े भी सत्र की तस्वीर बताते हैं। सदस्यों के पास 285 सवाल, 380 शून्यकाल प्रस्ताव और 380 विशेष उल्लेख का मौका था। लेकिन सदन में सिर्फ 16 सवाल, 52 शून्यकाल प्रस्ताव और 93 विशेष उल्लेख ही उठाए जा सके। यानी संसदीय कामकाज के लिए मिले बड़े हिस्से का इस्तेमाल नहीं हो सका। 11 बिल पास हुए, लेकिन बहस सीमित रही।

किस बिल पर कितनी हुई चर्चा

मानसून सत्र 2026 में कुल 12 बिल पेश किए गए, जिनमें से 11 दोनों सदनों से पास हुए। हालांकि, सभी विधेयकों पर लोकसभा और राज्यसभा में समान चर्चा नहीं हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, कुछ बिलों पर घंटों बहस हुई, जबकि कई विधेयक लोकसभा में महज कुछ मिनट की चर्चा के बाद पास हो गए। सबसे ज्यादा चर्चा पब्लिक एग्जामिनेशन (एंटी-चीटिंग) बिल पर हुई। लोकसभा में 10 घंटे 55 मिनट और राज्यसभा में 6 घंटे 39 मिनट, यानी कुल 17 घंटे 34 मिनट चर्चा हुई। सुप्रीम कोर्ट जजों की संख्या वाले बिल पर लोकसभा में 4 मिनट और राज्यसभा में 2 घंटे 21 मिनट, कुल 2 घंटे 25 मिनट लगे। केरल नाम परिवर्तन बिल पर लोकसभा में 4 मिनट और राज्यसभा में 2 घंटे 16 मिनट चर्चा हुई। इसी तरह टैक्सेशन एंड अदर लॉज बिल पर लोकसभा में 3 मिनट और राज्यसभा में 2 घंटे 7 मिनट, जबकि ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल पर 12 मिनट और 1 घंटा 52 मिनट चर्चा हुई। एनसीडीसी संशोधन बिल पर दोनों सदनों में 10 मिनट और 1 घंटा 42 मिनट लगे। वहीं, एमएसएमई बिल पर 3 मिनट व 1 घंटा 19 मिनट, राष्ट्रीय सम्मान अपमान बिल पर 14 मिनट व 1 घंटा 1 मिनट, बैंकर्स बुक्स बिल पर 5 मिनट व 52 मिनट और जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन बिल पर 4 मिनट व 50 मिनट चर्चा हुई।

सुखबीर बादल पर गुरुद्वारे में हमला

लुधियाना/नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुवार को शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि गुरुद्वारा माता साहिब कौर में एक निहंग ने उन पर कृपाण से हमला किया। बादल के हाथ पर चोट लगी है। उनकी सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। सुखबीर सिंह बादल परिवार के साथ नांदेड़ गुरुद्वारा में माथा टेकने गए थे। सुखबीर बादल को यशोसाई अस्पताल में भर्ती किया गया है।

महाराष्ट्र पुलिस ने हमले को लेकर कहा कि दोपहर करीब एक बजे ये हमला हुआ। हमलावर निहंग जसपाल सिंह को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सुखबीर बादल पर 4 दिसंबर 2024 को भी हमला हुआ था। गोल्डन टेंपल में सेवादार की धार्मिक सजा भुगतने के दौरान उन पर फायरिंग की गई थी।

महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने जांच के आदेश दिए

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से बात की और पंजाब के

पूर्व डिप्टी सीएम और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की जांच के आदेश दिए। इस हमले के दौरान बादल के सुरक्षाकर्मी संतोष हेगड़े ने भी हमलावर को रोकने का प्रयास किया, जिसमें वह भी घायल हुआ। हमलावर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज तथा प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटाई जा रही है। घटना के बाद एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक निहंग को दूसरे निहंग दस्तार बांधते दिख रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इसमें जिस निहंग को दस्तार बांधी जा रही है, इसी ने हमला किया था। मौके पर एक पुलिसवाला भी मौजूद है, जो बाद में इसे पकड़कर ले जाता है। घटना के बाद एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक निहंग को दूसरे निहंग दस्तार बांधते दिख रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इसमें जिस निहंग को दस्तार बांधी जा रही है, इसी ने सुखबीर बादल पर हमला किया था। मौके पर एक पुलिसवाला भी मौजूद है, जो बाद में इसे पकड़कर ले जाता है।

अकाली दल के प्रवक्ता बोले- सिख धर्म विरोधी ताकतों की साजिश

इस मामले में अकाली दल के प्रवक्ता एडवोकेट अर्शदीप सिंह कलेर ने कहा कि सुखबीर बादल पूरी तरह स्वस्थ हैं। मामला महाराष्ट्र का है, इसलिए वहां की पुलिस जांच करेगी कि हमलावर कौन है? उसने किसके कहने पर हमला किया? उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे कुछ सिख धर्म विरोधी ताकतों की साजिश हो सकती है।

अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा- हमलावर सच्चा सिख नहीं

इस बारे में सिखों की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि गुरुद्वारा साहिब ऐसी जगह है, जहां श्रद्धालु सभी की भलाई के लिए अरदास करने आते हैं। सच्चा सिख किसी ऐसे व्यक्ति पर हमला नहीं कर सकता, जो गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने आया हो। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं से गुरुद्वारों की मर्यादा को ठेस और पूरे सिख समुदाय की छवि को नुकसान पहुंचा है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी और उनकी सरकार पर साधा निशाना, बोले

विदेश नीति का मतलब सिर्फ नेताओं को गले लगाना है

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर लोगों को अपनी बात रखने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रही उत्तराखंड की एक महिला का जिक्र किया। राहुल ने कहा कि सरकार व्यवस्था लागू करना चाहती है, जबकि कांग्रेस का काम भारत की अपनी बात कहने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सिर्फ व्यक्तिगत मित्रता या गर्मजोशी दिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी देश के हितों की रक्षा करना है। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह विचार कहां से आया कि विदेश नीति का मतलब दूसरे देशों के नेताओं को गले लगाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री की भूमिका दोस्ती निभाने की नहीं, बल्कि देश के हितों की सुरक्षा करने की है।

अपनी बात समझाने के लिए राहुल गांधी ने बचपन की अमेरिका यात्रा का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनकी उम्र करीब 12 साल थी और वह अपनी मां सोनिया गांधी, बहन प्रियंका और दादी इंदिरा गांधी के साथ अमेरिका गए थे। इंदिरा गांधी उस समय प्रधानमंत्री थीं। राहुल गांधी के मुताबिक, एक आधिकारिक रात्रिभोज में इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी गई थीं, जबकि बच्चे घर पर ही रुके थे। कुछ देर बाद इंदिरा गांधी वापस लौटीं और उन्होंने सोनिया गांधी से कहा कि अमेरिकी उन्हें मूर्ख समझते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जंतर-मंतर पर छात्र अपनी बात रखना चाहते थे। उनके मुताबिक, छात्र परेशान थे और अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से यह कहा जाता है कि जंतर-मंतर पर व्यवस्था बनाई जाएगी और लोगों को अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री आवास के सामने धरना देने के दौरान एक पुलिसकर्मी ने उनसे सरकार के लोगों को हटाने की बात कही थी। राहुल ने यह भी कहा कि कुछ मीडिया कर्मी निजी तौर पर मानते हैं कि जो हो रहा है, वह सही नहीं है, लेकिन नौकरी और परिवार की जिम्मेदारियों के कारण खुलकर बोल नहीं पाते। राहुल गांधी ने कहा कि देश में एक राष्ट्रीय भावना भी होती है।

कांग्रेस, टीएमसी-सपा ने स्पीकर की चाय पार्टी छोड़ी

इंडिया ब्लॉक से सिर्फ कनिमोझी पहुंचीं, खड़गे-सोनिया राज्यसभा सभापति की चाय पार्टी में शामिल हुए

नई दिल्ली। नई दिल्ली में गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद चाय पार्टी हुई। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला की ओर से आयोजित पार्टी में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसद शामिल नहीं हुए। कांग्रेस नेता ने बताया कि कांग्रेस, सपा, टीएमसी और इंडिया ब्लॉक के कई अन्य दलों के नेता कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। हालांकि, डीएमके नेता कनिमोझी लोकसभा स्पीकर की पारंपरिक चाय पार्टी में शामिल हुईं। वहीं, राज्यसभा में विपक्षी नेताओं ने सभापति सीपी राधाकृष्णन की ओर से आयोजित चाय पार्टी में हिस्सा लिया। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी शामिल थीं।

सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य वरिष्ठ नेता और मंत्री लोकसभा स्पीकर के कक्ष में हुई चाय पार्टी में मौजूद थे। पारंपरिक रूप से लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति संसद सत्र समाप्त होने पर अपने-अपने कक्ष में दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद चाय पार्टी आयोजित करते हैं।

हाईकोर्ट आदेश की अवहेलना पड़ी भारी, वन विभाग के एसडीओ का वाहन कुर्क

तहसीलदार ने छबि पंथ ने की कार्यवाही, सेवानिवृत्त वनरक्षक को 6.85 लाख की एकमुश्त राशि नहीं देने पर गिरी कार्यवाही की गाज

पदमेश न्यूज।बालाघाट। दक्षिण उत्पादन वन मंडल बालाघाट कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब तहसीलदार छवि पंत ने माँ काली पाठ मंदिर परिसर स्थित वन विभाग कार्यालय पहुचकर हाईकोर्ट के आदेश का फरमान सुनाया।जहा हाईकोर्ट आदेश की अवहेलना करने पर तहसीलदार ने,दक्षिण उत्पादन वन मंडल बालाघाट कार्यालय में पदस्थ एसडीओ दिनेश ठाकुर के वाहन पर कुर्की की कार्रवाई कर दी। यह कार्रवाई सेवानिवृत्त वनरक्षक रफीक कुरैशी को दैनिक वेतनभोगी के रूप में सेवाकाल की मिलने वाली करीब 6.85 लाख रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान नहीं किए जाने के मामले में उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में की गई। जहां कार्रवाई की खबर मिलते ही अन्य अधीनस्थ कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और लोग इस कार्यवाही को लेकर तरह की चर्चा करते नजर आए।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं हुआ भुगतान

प्राप्त जानकारी के अनुसार रफीक कुरैशी वन विभाग में पहले दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत थे। बाद में उनकी पदोन्नति वनरक्षक के पद पर हुई। वनरक्षक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद ,विभाग की ओर से उन्हें वनरक्षक के रूप में मिलने वाली राशि का भुगतान तो कर दिया गया, लेकिन दैनिक वेतनभोगी के रूप में नियमानुसार मिलने वाली एकमुश्त राशि का भुगतान नहीं किया गया।बताया गया कि उक्त राशि को पाने के लिए सेवानिवृत्त वनरक्षक रफीक कुरैशी ने कार्यालय में बार-बार आवेदन निवेदन किया, जगह-जगह गुहार लगाई लेकिन उन्हें मिलने वाली नियमानुसार राशि,उन्हें नहीं मिल पा रही थी। जिससे परेशान होकर श्री कुरैशी ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था,जहां से श्री कुरैशी को एक मुश्त राशि का भुगतान किए जाने के आदेश मिले थे लेकिन आदेश के बावजूद भी विभाग द्वारा उन्हें उक्त राशि नहीं दी जा रही थी।जिस पर हाईकोर्ट की अवहेलना होने पर तहसीलदार छवि पंत द्वारा उक्त कार्यवाही की गई।

नोटिस का जवाब भी नही दे रहा था विभाग

बताया गया कि रफीक कुरैशी ने अपने हक की राशि के लिए उच्च न्यायालय की शरण ली थी। मामले में सुनवाई के दौरान, और सुनवाई के बाद, न्यायालय की ओर से वन विभाग को कई बार नोटिस जारी किए गए।लेकिन विभाग की ओर से लगातार समय मांगा जाता रहा।बार बार समय मांगने और उसपर पर राशि का भुगतान ना करने पर उक्त कार्यवाही की गई है।

एक माह बाद भी 6.85 लाख रु की राशि का नही किया भुगतान

बताया गया कि उच्च न्यायालय ने 13 जुलाई को आदेश जारी कर सेवानिवृत्त वनरक्षक को दैनिक वेतनभोगी के रूप में मिलने वाली राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए विभाग को एक माह का समय दिया गया था। निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी करीब 6.85 लाख रुपये की राशि का भुगतान नहीं किया गया।

न्यायालय के आदेश के पालन में कि कुर्की

उधर समय सीमा के भीतर भुगतान ना होने न्यायालय के आदेश के अवेहलना पर न्यायालय के आदेश के पालन में तहसीलदार छवि पंत दक्षिण उत्पादन वन मंडल कार्यालय पहुंचीं और एसडीओ के वाहन पर कुर्की की कार्रवाई की। कुर्क किए गए वाहन को बाद में विभाग के ही सुपुर्दनामे में सौंप दिया गया।

आठ महीने तक सीसीएफ कार्यालय रहा था सील

ज्ञात हो कि वन विभाग में न्यायालयीन आदेश के पालन में कार्रवाई का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले जुलाई 2025 में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर बालाघाट के मुख्य वन संरक्षक और दक्षिण उत्पादन वन मंडल कार्यालय को वसूली आदेश के चलते सील किया गया था। करीब आठ महीने तक दोनों कार्यालय बंद रहे।फरवरी 2026 में न्यायालय में करीब 1.15 करोड़ रुपये जमा किए जाने के बाद दोनों कार्यालयों के ताले दोबारा खोले गए थे। लंबे समय तक कार्यालय बंद रहने से विभागीय कामकाज भी प्रभावित हुआ था। अब एक बार फिर न्यायालय के आदेश के पालन में एसडीओ के वाहन की कुर्की की कार्रवाई होने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

मैं भोपाल में हु, मुझे जानकारी नही है- डीएफओ

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान डीएफओ समीर रंजन मिश्रा ने बताया कि उन्हें कार्रवाई की जानकारी है। वे वर्तमान में भोपाल में हैं। उनके अनुसार मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है।

एसडीओ के वाहन की कुर्की की गई है-छवि पंत

वही मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान तहसीलदार छवि पंत ने बताया कि उच्च न्यायालय ने सेवानिवृत्त वनरक्षक को दैनिक वेतनभोगी की एकमुश्त राशि नहीं मिलने के मामले में करीब 6.85 लाख रुपये की वसूली के आदेश दिए थे। विभाग को दो-तीन बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन विभाग की ओर से समय मांगा जाता रहा। बाद में एक माह में राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय में भुगतान नहीं होने के कारण न्यायालय के आदेश के पालन में एसडीओ के वाहन की कुर्की की कार्रवाई की गई।

राज्य स्तरीय थागता मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में बालाघाट के खिलाड़ियों ने जीते 5 पदक

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश थागता मार्शल आर्ट एसोसिएशन एवं जिला दतिया थागता एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7वीं मध्य प्रदेश थागता स्टेट चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 5 पदक

अपने नाम किए। जिले के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 3 रजत और 2 कांस्य पदक अर्जित कर बालाघाट का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 11 अगस्त तक दतिया में किया गया। प्रतियोगिता में भोपाल, विदिशा, जबलपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, रायसेन, सीहोर, इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर 9 अगस्त को दतिया कलेक्टर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि 10 अगस्त को दतिया पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल अधिकारी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इन्होंने झटके पदक

मुख्य प्रशिक्षक एवं सचिव संतोष पारधी के नेतृत्व में 5 खिलाडियों ने पदक हासिल किए। विकासखंड कटंगी के आकाश ठाकरे ने कांस्य पदक, लालबर्रा की साक्षी राजाराम दादरे ने कांस्य पदक अर्जित किया। वहीं बालाघाट के सुशांक पारधी, मौली कावरे और हर्षित गौतम ने रजत पदक हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया।इसके अलावा रिया उमेश राकेश, उमंग दामोदर जंघेले और सोहन नागपुरे ने प्रतियोगिता में सहभागी के रूप में भाग लिया। टीम के सहायक प्रशिक्षक एवं टीम मैनेजर शुभम मानेश्वर ने भी प्रतियोगिता के दौरान खिलाडियों को सहयोग प्रदान किया।

बधाइयों का लगा ताता

बताया गया कि खिलाड़ियों को यह उपलब्धि बालाघाट जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा तथा बालाघाट थागता मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन में हासिल हुई। संस्था के पदाधिकारियों एवं खेल विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष अनिल धुवारे, जिला कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ के उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सहसचिव चंद्रकांत पीपलेवार, सदस्य राजेंद्र बल्ले, संजू मेश्राम, लव कुमार नागपुरे, प्रज्ञात वासनिक सहित खेल विभाग के योगेंद्र पटले, केदार ठाकरे, अरविंद पटले, धीरज डोंगरे, दीपक अवचट, अनिल सावनकर, साक्षी खैरकर, अमरचंद ठाकुर एवं सभी युवा समन्वयकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मप्र का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का होगा सम्मान

जिला कबड्डी संघ की बैठक में लिया निर्णय, 20 अगस्त तक मूल प्रमाण-पत्र जमा कराने के निर्देश

पदमेश न्यूज।बालाघाट। जिला कबड्डी संघ बालाघाट की बैठक सर्किट हाउस में जिला कबड्डी संघ की अध्यक्ष अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले के कबड्डी खिलाड़ियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में विधायक वारासिवनी विवेकी पटेल, डॉ. देवप्रकाश लिल्हारे, सुभाष गुप्ता, जिला कबड्डी

संघ के महासचिव रमेश दीक्षित, सचिव रामकिशोर राहंगडाले सहित संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि उन खिलाड़ियों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष 2025 एवं 26 मई को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से उनके मूल प्रमाण-पत्र जमा कराने को कहा गया है।संघ के अनुसार संबंधित खिलाड़ी अपने मूल प्रमाण-पत्र 20 अगस्त की शाम 5 बजे तक रमेश दीक्षित, रामकिशोर राहंगडाले, उमेश सपाटे, भीमराज ठाकरे एवं खेमलाल वरकड़े के पास जमा कराएं। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त प्रमाण-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

खेल दिवस पर होगा सम्मान

बैठक में बताया गया कि 29 अगस्त को खेल दिवस के अवसर पर बालाघाट नगर में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी भी पहुंचेंगे। इस अवसर पर उनके हाथों उत्कृष्ट एवं प्रतिभावान खिलाडियों का सम्मान किया जाएगा तथा उन्हें ट्रॉफियां प्रदान की जाएंगी। जिला कबड्डी संघ ने खिलाड़ियों से समय-सीमा में अपने प्रमाण-पत्र जमा कराने की अपील की है, ताकि सम्मान समारोह की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी वीरांगना रानी अवंती बाई की 195वीं जयंती

16 अगस्त को, विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन तैयारियां पूर्ण, रामाबापू नगपुरे उद्यान से निकलेगी भव्य रैली,जीवंत झांकियां रहेंगी आकर्षण का केंद्र, विधायक अनुभा मुंजारे और राजकुमार कर्राहे होंगे शामिल

पदमेश न्यूज।बालाघाट। भारत देश की पवित्र भूमि, ऐसे वीर-वीरांगनाओं की कहानियों से भरी पड़ी है, जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश की आजादी के लिए अपना अहम योगदान दिया है। जिसमें 1857 क्रांति की महानायिका क्रांतिकारी वीरांगना रानी अवंतीबाई भी एक है। जिनकी 195 वी जयंती 16 अगस्त रविवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। जहां जयंती विशेष पर जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।16 अगस्त को रानी अवंतीबाई की 195 वी जयंती पर सामाजिक नेतृत्व में युवाओं द्वारा वीरांगना रानी अवंतीबाई का जयघोष करते हुए नगर में एक रैली निकाली जाएगी।यह वाहन रैली नगर के मोती गार्डन रामाबापू उद्यान से निकलेगी जो आम्बेडकर चौक से गोंदिया रोड होते हुए हनुमान चौक वहां से इतवारी गंज, सराफा मार्केट से मेन रोड होते हुए विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए काली पुतली चौक और वहां से यहां रैली सीधे बस स्टैंड रानी अवंती बाई चौक पहुंचेगी। जहां समाज संगठन के पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक बंधुओं द्वारा रानी अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका जयघोष किया जाएगा।वही रानी अवंती बाई अमर रहे के नारे लगाए जाएंगे। वही एक मंचीय कार्यक्रम का आयोजन कर महानायिका की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को याद किया जाएगा।इसके अलावा दिनभर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर देर शाम कार्यक्रमों का समापन किया जाएगा। जिसकी तमाम जानकारी गुरुवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में जिला लोधी महासभा के पदाधिकारियों द्वारा दी गई।

विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाली अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 195वीं जन्म जयंती पर 16 अगस्त को जिला लोधी महासभा द्वारा नगर मुख्यालय में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जयंती का उद्देश्य वीरांगना के बलिदान को याद कर उनकी शौर्य गाथा से नई पीढ़ी को प्रेरित करना है।पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए जिला लोधी महासभा के पदाधिकारी गगन नगपुरे, दुर्गा पगरवार, योगेश नगपुरे, गुड्डु नगपुरे, चन्द्र दमाहे, शोकत बिसाने सहित अन्य ने बताया कि 16 अगस्त को सुबह संपूर्ण लोधी समाज के साथ सर्व समाज के लोग मोती उद्यान स्थित रामाबापू नगपुरे की प्रतिमा स्थल पर एकत्र होंगे। यहां से एक भव्य रैली निकाली जाएगी। जो नगर के विभिन्न मार्गो व चौक चौराहो का भृमण कर बस स्टैंड स्थित वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थल पर पहुंचेगी, जहा माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा। यहीं पर उनकी जन्म जयंती का मुख्य आयोजन होगा और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया जाएगा।

जीवंत झांकियां और मंचीय कार्यक्रम रहेंगे आकर्षण का केंद्र

पदाधिकारियों ने बताया कि रैली के दौरान वीरांगना रानी अवंती बाई की जीवंत झांकी मुख्य आकर्षण रहेगी। झांकी के माध्यम से 1857 की क्रांति में उनके योगदान और बलिदान को दर्शाया जाएगा।प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण के बाद रैली पुनः कालीपुतली चौक और आंबेडकर चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचेगी। यहां एक विशाल मंचीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे और लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर जनता को संबोधित करेंगे।जिला लोधी महासभा ने सभी समाज बंधुओं और देशप्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक संख्या में पहुंचकर वीरांगना के बलिदान को याद करें और इस गौरवमयी जयंती समारोह को सफल बनाएं।

न्यायालय अपर कलेक्टर जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

ईश्तेहार प्रकाशन

प्रकरण क्रमांक / 0101 / बी-121/2026-27
मौजा सावंगी तहसील वारासिवनी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है दत्तकग्रहिता विस्थापित / दत्तकदाता जितेन्द्र कावरे पिता श्री भरतलाल कावरे एंव श्रीमति चन्द्रकला कावरे पति जितेन्द्र कावरे दोनों जाति मरार निवासीगण सावंगी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट द्वारा अनावेदक / दत्तकग्रहिता रामकिशोर नागफासे पिता श्री डिल्लू नागफासे एंव श्रीमती ललीता नागफासे पति रामकिशोर नागफासे जाति मरार निवासी काटी (बिरसोला) तहसील व जिला गोंदिया (महा.) को अपनी तीन संतानों में से तिसरी पुत्री कु. आराध्या जन्मतिथि 23.05. 2026 जिनकी उम्र 1 माह 7 दिन को गोद लिये जाने हेतु आवेदन पत्र हिन्दु दत्तक तथा भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्यांक 78)1 के अध्याय 2 में दिये गये उपबंधो के तहत गोदनामा विलेख पंजीयन के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति होने पर स्वंय के माध्यम से न्यायालय में सुनवाई 18/08/2026 तक आपत्ति प्रस्तुत करते है बाद समयावधि में कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक 11.08.2026 को हस्ताक्षर एंव पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला-बालाघाट(म.प्र)

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ नहीं मिलने पर वार्ड पार्षद ने उठाया सराहनीय कदम

महिलाओं को कराए हनुमान मंदिर के दर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल ने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए विशेष पहल की है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ नहीं मिलने पर उन्होंने अपने निजी खर्च पर वार्ड की 50 से अधिक बुजुर्ग महिलाओं को छिंदवाड़ा स्थित प्रसिद्ध जामसांवली तीर्थ यात्रा कराई। यह यात्रा 13 अगस्त को सुबह 7 बजे स्थानीय नए राम मंदिर के पास से शुरू हुई। यात्रा में शामिल सभी महिलाओं को निशुल्क रूप से जाम सांवली स्थित हनुमान मंदिर ले जाया गया, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर दर्शन किए। पार्षद आशुतोष डहरवाल ने बताया कि वार्ड की कई बुजुर्ग महिलाएं लंबे समय से तीर्थ यात्रा पर जाने की इच्छा रखती थीं, लेकिन विभिन्न कारणों से उन्हें मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ नहीं मिल पाया। इसे देखते हुए उन्होंने अपने स्तर पर महिलाओं को तीर्थ यात्रा कराने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि समाज

के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। बुजुर्गों के आशीर्वाद से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी सोच के साथ यह पहल की गई, ताकि महिलाएं धार्मिक यात्रा का लाभ उठा सकें। यात्रा में शामिल महिलाओं ने जाम सांवली स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद पार्षद की इस पहल की सराहना की। महिलाओं का कहना था कि आर्थिक और अन्य कारणों से कई लोग तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते हैं। ऐसे में पार्षद द्वारा उठाया गया यह कदम उनके लिए यादगार बन गया। पार्षद ने बताया कि भविष्य में पुरुष वर्ग के लिए भी इसी प्रकार की योजना बनाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग धार्मिक यात्रा का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा। वार्डवासियों ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधियों को केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रयास भी किए जाने चाहिए।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बैगा अंचल में 18 मासूमों की मौत का दावा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

विधायक संजय उइके बोले- प्रशासन छिपा रहा मौत और मलेरिया के आंकड़े, आदिवासी क्षेत्रों में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बैहर विधानसभा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बाहुल्य गांवों में बच्चों की मौत का मामला अब राजनीतिक रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उइके ने बुधवार को स्थानीय कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सरकार और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उनकी विधानसभा के अलग-अलग गांवों में अब तक 18 से 19 बच्चों की मौत हो चुकी है, लेकिन सरकार इस मामले को गंभीरता से लेने के बजाय आंकड़ों को छिपाने का प्रयास कर रही है।

प्रेस वार्ता में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, श्याम पंजवानी, दयाल वासनिक और दिनेश धुर्वे भी मौजूद रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए विधायक संजय उइके ने कहा कि बैहर विधानसभा क्षेत्र के लगभग 40 गांव बैगा आदिवासी बाहुल्य हैं, लेकिन आज भी इन क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार बोंदारी में सात बच्चों, मछुरदा में सात बच्चों, कुंडेकसा में दो बच्चों और घुम्मुर में दो बच्चों की मौत हुई है। इसके अलावा अन्य गांवों से भी बच्चों की मौत की जानकारी लगातार सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि बिरसा विकासखंड के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बाहुल्य ग्राम घुम्मुर, कुंडेकसा, कोरका, बोंदारी, मछुरदा, धर्मशाला और गठिया में डेढ़ वर्ष से लेकर 16 वर्ष तक की आयु के लगभग 18 से 19 बच्चों की मौत हुई है। बैहर विधायक ने कहा कि इन बच्चों की मौत के पीछे मलेरिया, बुखार, सर्दी-खांसी और अन्य बीमारियां प्रमुख कारण के रूप में सामने आ रही हैं। उन्होंने मृत बच्चों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग करते हुए कहा कि सरकार को प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में बच्चों की मौत हुई है, वे सभी मलेरिया के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में शामिल हैं। इसके बावजूद इन क्षेत्रों में प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकीं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में सबसे अधिक मलेरिया के मामले बैहर, बिरसा और परसवाड़ा क्षेत्र में सामने आते हैं, लेकिन इसके बावजूद मलेरिया उन्मूलन के लिए प्रभावी रणनीति नहीं बनाई गई। विधायक संजय उइके ने

पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिए। इस समिति में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ स्थानीय स्तर के लोगों को भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और स्थानीय समस्याओं को बेहतर तरीके से समझा जा सके। उन्होंने कहा कि समिति को यह भी तय करना चाहिए कि क्षेत्र में मलेरिया उन्मूलन के लिए कौन-सी रणनीति अपनाई जाए और स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी किस प्रकार की जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार पर आंकड़ों को छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन वास्तविक स्थिति को सामने नहीं आने देना चाहता। उनका कहना था कि यदि अन्य गांवों में भी जाकर जानकारी एकत्र की जाए तो बच्चों की मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह स्वीकार करना चाहिए कि क्षेत्र में मलेरिया एक गंभीर समस्या है और इससे निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।विधायक ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से यह दावा किया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम गांवों में पहुंचकर लोगों की जांच कर रही है और दवाइयों का वितरण किया जा रहा है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दवाइयों का सेवन वास्तव में लोग कर भी रहे हैं या नहीं। उन्होंने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी केवल दवाइयों का वितरण करने तक सीमित न रहें, बल्कि लोगों के सामने ही दवा का सेवन सुनिश्चित करें। इससे उपचार प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सकती है।

दूषित पेयजल और कुपोषण के लिये जिम्मेदार कौन

प्रेस वार्ता के दौरान बैहर विधायक ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें बच्चों की मौत के लिए दूषित पेयजल और कुपोषण को जिम्मेदार बताया गया था। उन्होंने कहा कि यदि दूषित पानी बच्चों की मौत का कारण है तो स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कुपोषण के कारण बच्चों की मौत हुई है तो इसके लिए भी सरकार और संबंधित विभाग जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले बच्चों को शासन की योजनाओं के तहत मिलने वाला होम राशन भी बंद कर दिया गया है। इसके अलावा कई अन्य योजनाएं भी इन क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रही हैं। विधायक संजय उइके ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस मामले में जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर आंदोलन करेगी और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

किरनापुर और लांजी विकासखंड के 55 विद्यार्थियों को किया जाएगा सम्मानित

शिक्षा और राष्ट्रसेवा को बढ़ावा देने की अनूठी पहल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भारतीय थल सेना में लगभग दो दशक तक अपनी सेवाएं देने वाले पूर्व सैनिक एवं सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले एक बार फिर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने जा रहे हैं। लगातार तीसरे वर्ष आयोजित होने वाले इस सम्मान समारोह में किरनापुर और लांजी विकासखंड के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। 15 अगस्त को सुबह 10 बजे किरनापुर के बेसिक स्कूल परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष कक्षा 10वीं के 10 और कक्षा 12वीं के 45 विद्यार्थियों को सम्मानित करने की तैयारी की गई है। सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले की यह पहल केवल एक सम्मान समारोह तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का उद्देश्य भी जुड़ा हुआ है। उनका मानना है कि प्रतिभाओं को समय पर प्रोत्साहन मिलने से उनमें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास विकसित होता है और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अधिक मेहनत करते हैं। सूबेदार राहंगडाले का जीवन संघर्ष और प्रेरणा का उदाहरण है। भारतीय सेना में अपनी सेवाएं देने के दौरान दिसंबर 2021 में एक सैन्य अभियान के दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लंबे उपचार और करीब दो वर्षों तक चले संघर्ष के बाद उन्होंने अपने जीवन को समाजसेवा के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया। शारीरिक अक्षमता के कारण उन्हें सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेनी पड़ी। इसके बाद उनकी नियुक्ति दक्षिण रेलवे में जूनियर इंजीनियर के पद पर हुई, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते वे वर्तमान में लंबी चिकित्सा छुट्टी पर हैं। इसके बावजूद उन्होंने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से दूरी नहीं बनाई। वे अपनी आय का एक हिस्सा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सहायता और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने में खर्च करते हैं। उनका मानना है कि समाज के विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है और इसके लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। इस वर्ष कक्षा 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 11 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 7 हजार रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अन्य सभी विद्यार्थियों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। सूबेदार राहंगडाले का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं है, बल्कि यह उन वीर सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का दिन भी है, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। इसी भावना के साथ उन्होंने हर वर्ष मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने का संकल्प लिया है। उनका उद्देश्य केवल पुरस्कार वितरित करना नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी में शिक्षा, अनुशासन, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करना है। उनका मानना है कि आज के विद्यार्थी ही भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले का संदेश है कि जिस जीवन को देश ने बचाया है, उसे समाज और राष्ट्र के हित में समर्पित किया जाना चाहिए। सेना की वर्दी उतारने के बाद भी राष्ट्रसेवा के प्रति उनका समर्पण आज भी बरकरार है। शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनकी यह पहल क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती जा रही है।

तीन साल से टूटी पुलियाओं ने बढ़ाई मुश्किलें, पानी में उतरकर ग्रामीणों ने किया जल सत्याग्रह

स्कूली बच्चों को तय करनी पड़ रही अतिरिक्त दूरी, सड़क और पुलिया निर्माण की मांग को लेकर किया गया विरोध प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला ग्राम गढ़दा आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में समस्याओं से जूझ रहा है। वर्ष 2023 में आई तेज बारिश और बाढ़ के दौरान गांव की दो पुलियाएं बह गई थीं, लेकिन तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी उनका पुनर्निर्माण नहीं हो सका है। इसका खामियाजा क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। किसान, महिलाएं, बुजुर्ग और स्कूली बच्चे प्रतिदिन परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर हैं। समस्या के समाधान की मांग को लेकर बुधवार 13 अगस्त को ग्रामीणों और बब्बर सेना के पदाधिकारियों ने जल सत्याग्रह आंदोलन किया। ग्रामीण क्षतिग्रस्त पुलिया के पास स्थित नाले में उतर गए और कई घंटों तक पानी के बीच खड़े रहकर विरोध प्रदर्शन करते रहे। बाद में विभागीय अधिकारियों के आश्वासन और वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने के बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया। ग्राम पंचायत गढ़दा के अंतर्गत बूढ़ेना, पवारी टोला और कोड़पा टोला जैसे गांव आते हैं। इनमें सबसे अधिक परेशानी पवारी टोला के लोगों को हो रही है, जहां पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। पुलिया टूटने के कारण ग्रामीणों का सीधा संपर्क मार्ग बंद हो गया है और लोगों को अपने दैनिक कार्यों के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। नाले में पानी बढ़ने के कारण लोगों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है। टूटी हुई पुलियाओं का सबसे अधिक असर बच्चों की शिक्षा पर दिखाई दे रहा है। कोड़पा टोला के

विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने के लिए प्रतिदिन लगभग पांच किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है, जबकि बूढ़ेना के बच्चों को भी करीब दो किलोमीटर अधिक सफर करना पड़ता है। बारिश के मौसम में कई बार बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते हैं, जबकि कई विद्यार्थियों को नाले के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी क्षेत्र के कई गांव सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। नाहरवानी डामर मार्ग से चचानमेटा और पवारी टोला तक सड़क और पुलिया निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसके अलावा गढ़दा से बूढ़ेना के बीच पुलिया निर्माण, परासपानी से कोड़पा टोला तक सड़क और पुलिया निर्माण तथा बूढ़ेना से तिवड़ी तक पक्की सड़क बनाने की मांग भी लगातार उठाई जा रही है, लेकिन अब तक इन मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग की समस्या को भी उठाया है। उनका कहना है कि मंदिर तक जाने वाले मार्ग में पुलिया नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से बारिश के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह प्रभावित हो जाता है, जिससे लोगों की आवाजाही बाधित हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। लगातार उपेक्षा के कारण ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती गई और अंतत: उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। बब्बर सेना के नेतृत्व में ग्रामीण पुलिया के पास स्थित नाले में उतर गए और पानी के बीच खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्कूली बच्चे भी मौजूद रहे। पानी के बीच चल रहा यह प्रदर्शन पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। बब्बर सेना के हितेश माहुले ने बताया कि ग्रामीण लंबे समय से पुलिया और सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं। प्रशासन को कई बार आवेदन और ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसके बाद ग्रामीणों के साथ मिलकर जल सत्याग्रह करने का निर्णय लिया गया। आंदोलन की सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। अधिकारियों ने पुलिया निर्माण के प्रस्ताव को प्रशासन के समक्ष रखने तथा जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया। हालांकि, तीन वर्षों से परेशान ग्रामीण अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही पुलिया और सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

सरकार को कम कीमत में मिल रहा शुद्ध पेट्रोल,70 रु ली का मिलाया जा रहा एथनाल

ई-20 पेट्रोल को लेकर आप का अभियान,आज होगी टाउन मीटिंग

पेट्रोल-डीजल की कीमतों और वाहनों में आ रही तकनीकी दिक्कतों को लेकर आप ने उठाए सवाल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। देशभर में ई-20 पेट्रोल को लेकर आम आदमी पार्टी ने विशेष अभियान शुरू किया है। पार्टी का आरोप है कि पेट्रोल में एथेनॉल की अधिक मात्रा मिलाए जाने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहनों में इंजन संबंधी फाल्ट, स्टार्टिंग में दिक्कत और माइलेज कम होने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। इसी मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी की ओर से 14 अगस्त को प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर के नेतृत्व में ऑनलाइन टाउन मीटिंग आयोजित की जाएगी।आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष शिव जायसवाल ने बताया कि इसके पूर्व 1 अगस्त को आयोजित टाउन मीटिंग में देशभर के मैकेनिकों और वाहन निर्माताओं ने अपने विचार रखे थे। उनका कहना था कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल-डीजल के उपयोग से कुछ वाहनों में तकनीकी समस्याएं सामने आ रही हैं और वाहनों का एवरेज भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की बैठक में प्रदेशभर के लोगों और मैकेनिकों से ऑनलाइन जुड़कर अपने अनुभव और सुझाव साझा करने की अपील की गई है।

प्रदेश की आम जनता से सहमति लेकर बनाएंगे अगली रणनीति

जिलाध्यक्ष श्री जायसवाल ने आरोप लगाया कि पेट्रोल की कीमत और उसमें मिलाए जा रहे एथेनॉल की लागत को लेकर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि विदेश से आयात किए जाने वाले पेट्रोल की

कीमत अपेक्षाकृत कम है, लेकिन विभिन्न टैक्स और एथेनॉल मिश्रण के बाद उपभोक्ताओं को काफी अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। पार्टी का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ रहा है, जिसके कारण अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ रही हैं।

अमेरिका के साथ किए समझौते में फंसकर मिलाया जा रहा एथनॉल

उन्होंने अमेरिका के साथ भारत के समझौते को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इसके दबाव में एथेनॉल की खरीद बढ़ाई जा रही है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री के बेटे को कथित तौर पर लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है।आप जिला अध्यक्ष ने कहा कि एथेनॉल के मुद्दे पर प्रदेश और देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। 14 अगस्त की ऑनलाइन टाउन मीटिंग में वाहन मालिकों, मैकेनिकों और आम नागरिकों के अनुभवों पर चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। पार्टी ने अधिक से अधिक लोगों से बैठक में शामिल होकर अपनी बात रखने की अपील की है।

बिरसा में बच्चों की मौत के मामले ने पकड़ा राजनीतिक तूल, आज नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार करेंगे प्रभावित गांवों का दौरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत का मामला अब लगातार गंभीर होता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं और जनप्रतिनिधि सरकार को घेरने में जुट गए हैं। अब मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी इस मामले को लेकर बालाघाट पहुंच रहे हैं। उनका दौरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार 14 अगस्त को दोपहर 12 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। इसके बाद वह सीधे बिरसा विकासखंड के उन गांवों का दौरा करेंगे, जहां बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं। इस दौरान वह प्रभावित परिवारों और मृत बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जानेंगे। बताया गया है कि नेता प्रतिपक्ष बिरसा विकासखंड के उकवा, कुंडेकसा, बोंदारी और कोरका गांवों का दौरा करेंगे। इन गांवों में दूषित पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से प्रभावित परिवारों से भी वह चर्चा करेंगे। दौरे के दौरान कांग्रेस के स्थानीय जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से बिरसा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बाहुल्य गांवों में बच्चों की मौत का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। इस मामले को लेकर कांग्रेस लगातार सरकार और जिला प्रशासन पर सवाल उठा रही है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छ पेयजल और पोषण संबंधी योजनाओं का लाभ लोगों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रहा है। अब नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के दौरे को इस पूरे मामले में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि प्रभावित गांवों के दौरे के बाद कांग्रेस इस मुद्दे को और अधिक आक्रामक तरीके से उठा सकती है। ऐसे में सभी की निगाहें नेता प्रतिपक्ष के दौरे और उनके द्वारा दिए जाने वाले बयान पर टिकी हुई हैं।

औल्याकन्हार में स्वास्थ्य एवं जन-कल्याणकारी शिविर का हुआ आयोजन

स्वास्थ्य जांच के साथ ग्रामीणों को बांटी गई निःशुल्क दवाइयां, आयुष्मान कार्ड, फार्मर आईडी एवं गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी की सुविधा रही उपलब्ध

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्याल से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित सामुदायिक भवन में गुरूवार को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं का विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, सरपंच प्रतिनिधि ओ.पी. बिसेन एवं पंचायत के अन्य पदाधिकारियों सहित राजस्व तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में हुआ। आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीणों की बीमारियों की जांच कर उन्हें आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयां प्रदान की गई और बेहतर स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के लिए उचित चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। वहीं स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ शिविर में अन्य प्रशासनिक कार्य भी संपन्न किये गये। जिन ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने थे, उनके नये कार्ड बनाये गये, पात्र हितग्राहियों के फार्मर आईडी कार्ड तैयार किये गये एवं गैस उपभोक्ताओं का निःशुल्क ई-केवाईसी किया गया। साथ ही राजस्व विभाग व अन्य विभागों के कर्मचारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और आवेदन प्रक्रिया समझाई ताकि वे सरलता से योजनाओं का लाभ ले सके। चर्चा में सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि ग्राम पंचायत का मुख्य प्रयास यही है कि शासन की हर एक योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ आवश्यक कार्ड व ई-केवाईसी जैसी सुविधाएं घर के पास ही उपलब्ध करवाई गई हैं। ऐसे आयोजनों से ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते और उनके कई जरूरी काम एक साथ पूरे हो जाते हैं। श्री बिसेन ने बताया कि आयोजित शिविर में ग्रामीणजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई है। साथ ही राजस्व एवं अन्य विभाग के द्वारा ग्रामीणजनों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उनके फार्मर आईडी बनाये गये है। जिससे उन्हे किसान सम्मान निधि का लाभ मिलेगा एवं जिन लोगों के आयुष्मान कार्ड नही बने थे उनके आयुष्मान कार्ड बनाये गये है। साथ ही यह भी बताया कि भविष्य में भी इस तरह के जनहितकारी शिविर आयोजित किये जाते रहेगें ताकि सभी पात्र हितग्राहियों को जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। इस शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शासन-प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की है।

महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत तिरंगा सेल्फी प्वाइंट में सेल्फी का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में गुरूवार को हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत तिरंगा सेल्फी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे के निर्देशन में तिरंगा सेल्फी प्वाइंट में समस्त महाविद्यालय परिवार ने एक साथ सामूहिक सेल्फी ली। साथ ही सेल्फी लेते समय महाविद्यालय परिवार के सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भारत माता की जय एवं वंदे मातरम का जय उद्घोष किया। महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ ने महाविद्यालय में स्थापित सेल्फी प्वाइंट में जाकर सेल्फी ली एवं अपलोड करके प्रमाण पत्र जनरेट किया। महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों ने भी सेल्फी प्वाइंट में सेल्फी लेकर उसे शासन के साइड पर अपलोड करके प्रमाण पत्र जनरेट किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, डॉ. हृषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

विवेक ज्योति हायर सेकेण्डरी स्कूल में किया गया पौधारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के पांढरवानी रोड स्थित विवेक ज्योति हायर सेकेण्डरी स्कूल में हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर गुरूवार को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्कूल प्राचार्या एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्कूल परिसर में प्राचार्या, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने रोपित पौधों की नियमित सुरक्षा और देखभाल करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल की प्राचार्या नैनन पटले ने विद्यार्थियों को पर्यावरण का महत्व समझाते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी निरंतर देखभाल और संरक्षण करना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। आगे उन्होने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और समाज में हरियाली का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया।

'एक पौधा लगाये, पर्यावरण बचाये' का दिया संदेश

एक पेड़ माँ के नाम अभियान कार्यक्रम के तहत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने 'एक पौधा लगाये, पर्यावरण बचायें' का प्रेरक संदेश देते हुए प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबध्दता व्यक्त की। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों ने क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक पौधे लगाने प्रेरित किया है। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय से निकली भव्य तिरंगा रैली, विद्यार्थियों ने देशभक्ति का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। स्वाधीनता दिवस के पावन अवसर पर आमजनों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को जाग्रत करने के उद्देश्य से 13 अगस्त को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा से 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। यह तिरंगा रैली विद्यालय के प्राचार्य सनतकुमार दुबे के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित की गई। विद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई इस रैली में सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में शान से लहराता राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' थामे विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत नारे लगाये। वहीं देशभक्ति के गूंजते नारों के साथ विद्यार्थियों ने नगरवासियों को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर स्वाभिमान के साथ तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी रैली

यह अनुशासित तिरंगा रैली विद्यालय प्रांगण से शुरू होकर नगर मुख्यालय के मुख्य मार्गों, प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुनः विद्यालय परिसर पहुंची, जहां तिरंगा रैली समापन किया गया। रैली के पूरे मार्ग के दौरान विद्यार्थियों के उत्साह और देशभक्ति गीतों व नारों ने संपूर्ण वातावरण को राष्ट्रमय बना दिया। चर्चा में स्कूल के प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि शासन के दिशा-निर्देशानुसार 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत विद्यालय से यह प्रेरणादायी तिरंगा रैली निकाली गई है। इस रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ-साथ आम नागरिकों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना जगाना है। विद्यार्थियों ने नारों और नारों की गूंज से संपूर्ण नगर को देशभक्ति का संदेश दिया है। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षक एवं स्काउट-गाइड प्रशिक्षक नारायणसिंह बिसेन का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली के सेवानिवृत्त शिक्षक, वरिष्ठ स्काउट-गाइड प्रशिक्षक एवं प्राकृतिक चिकित्सक 80 वर्षीय नारायण सिंह बिसेन का 12 अगस्त को हद्‌यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 13 अगस्त को स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त शिक्षक नारायणसिंह बिसेन का 12 अगस्त को अचानक तबियत खराब होने एवं हद्‌यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। जिनके निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्वर्गीय श्री बिसेन शिक्षक के साथ-साथ स्काउट गाइड के प्रशिक्षक थे, जो शिक्षा, समाज सेवा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी समर्पित सेवाओं के लिए सदैव याद किये जायेगें। वे बीते कई दशकों से स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर ग्राम बघोली के हजारों स्कूली ब%चों को परेड का अभ्यास करवाते थे। राष्ट्रीय समारोहों को भव्य, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न करवाने में उनकी मुख्य एवं अग्रणी भूमिका रहती थी। शिक्षण कार्य के साथ-साथ वे एक कुशल प्राकृतिक चिकित्सक भी थे, जिनके निःस्वार्थ इलाज से क्षेत्र के कई लोगों को लाभ मिला। स्वर्गीय श्री बिसेन सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे पत्नि, 3 पुत्री, 2 पुत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार 13 अगस्त को दोपहर 1 बजे बघोली स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

खमरिया क्षेत्र में हर्षोल्लास एवं श्रध्दा के साथ मनाया गया 'जीवती पर्व'

पशुधन के पूजन एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के साथ जीवती पर्व की पारंपरिक परंपरा का हुआ निर्वहन

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के समस्त ग्रामीण अंचलों में परंपरा, आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक 'जीवती पर्व' पर्व बुधवार को श्रध्दा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रावण मास की अमावस्या के पावन अवसर पर आयोजित इस पारंपरिक पर्व में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ वर्षों पुरानी लोक परंपराओं का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया गया। पर्व को लेकर प्रातः काल से ही ग्रामीण क्षेत्रों में उमंग और उत्साह का वातावरण देखा गया। जीवती पर्व का ग्रामीण जीवन और कृषि संस्कृति से अत्यंत गहरा संबंध है। खेती-किसानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैलों एवं अन्य पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किसानों ने उनका विशेष पूजन किया। इस अवसर पर पशुओं को स्नान करवाकर उन पर हल्दी का लेप लगाया गया तथा गुड़ से बने स्वादिष्ट लड्डे व विभिन्न पारंपरिक पकवान खिलाये गये। इस विशेष अवसर पर पशुधन को पूर्ण विश्राम दिया गया तथा उनसे किसी भी प्रकार का कृषि कार्य नहीं करवाया गया। वहीं किसानों ने अपने पशुधन के स्वस्थ, निरोगी और दीर्घायु रहने की ईश्वर से कामना की। ग्रामीणों ने बताया कि यह जीवती का पर्व हमें प्रकृति और मवेशियों के प्रति सहअस्तित्व, प्रेम और आभार प्रकट करने की महान भारतीय संस्कृति का बोध कराता है और यह पर्व पूरे क्षेत्र में श्रध्दा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

डोंगरगाव में मिले लड़की के शव के अंधे हत्याकांड का हुआ खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

दुष्कर्म के मुकदमे में राजीनामा नही करने पर प्रेमिका का काटा था गला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम डोंगरगांव पुलिया के पास नहर में मिले अज्ञात महिला के शव के अंधे कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने महज कुछ ही दिनों में सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दुष्कर्म के मुकदमे में राजीनामा करने से मना करने पर आरोपी ने अपनी ही पूर्व प्रेमिका की कार में ब्लेड से गला काटकर नृशंस हत्या कर दी थी और साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मारुति डिजायर कार,हत्या में प्रयुक्त ब्लेड, खून से सने कपड़े एवं अन्य सामग्री जब्त कर आरोपी संतोष ठाकरे को न्यायालय के समक्ष पेश किया हैं।

नहर में तैरता मिला था अज्ञात महिला का शव

विगत ५ अगस्त को थाना वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डोंगरगांव पुलिया के पास नहर में एक अज्ञात महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाया। प्रारंभिक जांच में मृतिका की शिनाख्त आसपास के ग्रामीणों से नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने सोशल मीडिया और स्थानीय तंत्र का सहारा लिया। कड़ी मशक्कत के बाद मृतिका की पहचान विनीता उर्फ खुशबू डहरवाल उम्र २३ वर्ष निवासी ग्राम खमरिया थाना लालबर्रा जिला बालाघाट हाल निवासी नागपुर महाराष्ट्र के रूप में हुई। मृतिका के गले पर किसी धारदार वस्तु से काटने का गहरा निशान था जिससे स्पष्ट था कि उसकी हत्या कर शव को नहर में फेंका गया है। मृतिका के चचेरे भाई ने संदेह के आधार पर संतोष ठाकरे निवासी ग्राम सरंडी वारासिवनी पर आशंका जताई। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्यवाही का मार्ग जांच प्रारंभ कर दी थी। वहीं घटना के संबंध में तत्काल भारतीय न्याय संहिता की धारा १०३(१), ३५१(३) तथा अपराध क्रमांक २९२/२०२६ के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की जा रही थी।

नागपुर से लाकर कार में दिया वारदात को अंजाम

पुलिस पूछताछ में आरोपी संतोष ठाकरे उम्र २५ वर्ष ने अपना जुर्म कबूल करते हुए पूरी साजिश का खुलासा किया। आरोपी ने बताया कि उसके और विनीता के बीच प्रेम प्रसंग था बाद में संतोष ने किसी दूसरी महिला से शादी कर ली जिसके बाद विनीता ने उसके खिलाफ महिला थाना जिला सिवनी में दुष्कर्म का मामला दर्ज करा दिया था। संतोष लगातार विनीता पर मुकदमा वापस लेने और राजीनामा करने का दबाव बना रहा था लेकिन विनीता तैयार नहीं थी। इसी रंजिश और परेशानी के चलते संतोष ने उसकी हत्या की योजना बनाई। जिसमें ३१ जुलाई को संतोष ने विनीता को नागपुर से अपने साथ कार एम पी २२ जेड एच ०९४९ में लेकर निकला। वह उसे नागपुर, इटारसी और छिंदवाड़ा में घुमाता व अपने साथ रखता रहा। ४ अगस्त की रात कार में ही आरोपी ने धारदार ब्लेड से विनीता का गला रेतकर उसकी निर्मम हत्या कर दी और शव को कायदी के पास नहर में फेंक दिया। वारदात के बाद आरोपी कार को गोंदिया रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ी कर नागपुर व दुर्ग की ओर भाग गया।

घेराबंदी कर पकड़ा गया संतोष ठाकरे

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में वारासिवनी पुलिस आरोपी की लगातार तलाश कर रही थी। १२ अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने गांव सरंडी में देखा गया है। सूचना पर पुलिस टीम ने तुरंत दबिश दी पुलिस को देखते ही आरोपी सांवगी के जंगलों की ओर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ा हालांकि भागने और गिरने के दौरान आरोपी के बाएं पैर और दाहिने हाथ में चोट आई है। इसमें पुलिस ने आरोपी के पास से मारुति डिजायर कार क्रमांक एम पी २२ जेड एच ०९४९ को गोंदिया रेलवे स्टेशन पार्किंग से, हत्या में प्रयुक्त धारदार ब्लेड, आरोपी के रक्तरंजित कपड़े मृतिका के कपड़े, बैग, पहचान पत्र एवं अन्य सामान बरामद किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस अंधे हत्या का त्वरित पर्दाफाश करने एवं आरोपी को सलाखों के पीछे भेजने में थाना प्रभारी वारासिवनी निरीक्षक अनूप उइके, सहायक उपनिरीक्षक राजकपूर रंगारे, प्रधान आरक्षक सुजीत कोटांगले, आरक्षक तारेन्द्र बिसेन एवं आरक्षक अब्दुल गालिब की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

नगर पालिका परिषद ने निकाली भव्य तिरंगा रैली

देशभक्ति के तरानों पर झूमे नगरवासी भारत माता की जय से गुंजा नगर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत एक विशाल एवं भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। यह रैली नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के नेतृत्व में आयोजित की गयी। यह तिरंगा रैली नगर पालिका परिषद कार्यालय से प्रारंभ की गई जहां सभी लोग एकत्रित हुए तत्पश्चात हाथों में तिरंगा थामें विशाल रैली निकाली गई जो नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए जय स्तंभ चौक पहुंचे। जहां से यह रैली वापस विभिन्न मार्ग से होते हुए नगर पालिका कार्यालय पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। इस दौरान डीजे पर बज रहे देशभक्ति के तरानों में हाथों में शान से लहराता तिरंगा और जुबां पर भारत माता की जय व वंदे मातरम् के जयघोष लगाते रहे। रैली के दौरान गूंज रहे देशभक्ति गीतों और नारों ने पूरे नगर के वातावरण को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। देशभक्ति गीतों की धुनों पर जनप्रतिनिधि और नागरिक झूमते नजर आये। इस रैली के दौरान नागरिकों से अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराने और अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा की हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी आन बान और शान का प्रतीक है। हर नागरिक को अपने घर पर तिरंगा फहराकर इस अभियान को एक जनआंदोलन का रूप देना चाहिए ताकि राष्ट्रप्रेम की यह अलख जन जन तक पहुंचे। वहीं सीएमओ सूर्यप्रकाश ऊके ने कहा की ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों विशेषकर युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अगाध सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे,संदीप मिश्रा ,धर्मेश जोशी ,योगेंद्र लिमजे ,दीप चौहान ,समीर बिसेन ,प्रवीण डोंगरे ,प्रवीण रूसिया, मनोज दांदरे, मिथिलेश बूरडे ,मनोज लिल्हारे सहित नगर पालिका के जनप्रतिनिधि अधिकारी कर्मचारी विद्यार्थियों तथा आम नगरवासियों बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गोलीबारी चौक में ग्राहक सेवा केंद्र से २९ हजार की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक गोलीबारी चौक स्थित जय बजरंग ग्राहक सेवा केंद्र से गुरुवार की शाम एक अज्ञात शातिर चोर ने गल्ले से २९ हजार रुपये पार कर दिए और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोलीबारी चौक पर जय बजरंग ग्राहक सेवा केंद्र का संचालन योगेश बांगरे के द्वारा किया जाता है। इस केंद्र में आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से आम नागरिकों को उनके बैंक खातों से राशि निकालने और जमा करने की सुविधा दी जाती है। गुरुवार की सुबह संचालक योगेश बांगरे किसी पारिवारिक कार्य से बाहर गए हुए थे और दुकान की देखरेख की जिम्मेदारी वहां कार्यरत महिला कर्मचारी संभाल रही थी। घटना शाम के समय की है जब मोटरसाइकिल पर सवार एक अज्ञात व्यक्ति जिसने चेहरे को छिपाने के लिए हेलमेट पहन रखा था केंद्र पर पहुंचा। उसने महिला कर्मचारी से रुपये निकालने की बात कहकर उसका ध्यान भटकाया। जैसे ही महिला कर्मचारी का ध्यान थोड़ा भटका शातिर बदमाश ने चालाकी से काउंटर की दराज में रखे २९ हजार रुपये के नोटों का बंडल उठा लिया और तुरंत बाहर खड़ी अपनी बाइक की तरफ भागा। बदमाश को अचानक भागता देख महिला कर्मचारी को शक हुआ। उसने तुरंत दराज चेक की तो वह खुली थी और उसमें रखे पैसे गायब थे। महिला कर्मी ने सूझबूझ दिखाते हुए चोर के पीछे दौड़ लगाई और शोर मचाया लेकिन बाइक सवार अज्ञात आरोपी पलक झपकते ही गलियों में ओझल हो गया। घटना के तुरंत बाद केंद्र की कर्मचारी ने आसपास के दुकानदारों और व्यापारियों को मामले की जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस दुकान और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि संदिग्ध बाइक सवार और उसके वाहन के नंबर का सुराग मिल सके। इस वारदात से क्षेत्र के व्यापारियों में हड़कंप मच गया है।

३ साल से अधूरा पड़ा कोस्ते.मदनपुर मार्ग बना ग्रामीणों के लिए आफत

विभाग की लापरवाही से राहगीर हो रहे दुर्घटनाग्रस्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोस्ते से मदनपुर मार्ग की स्थिति अत्यंत जर्जर और दयनीय हो चुकी है। ग्रामीणों की बहुप्रतीक्षित मांग पर करीब तीन वर्ष पूर्व इस मार्ग के निर्माण की स्वीकृति दी गई थी। लेकिन संबंधित ठेकेदार की लापरवाही के कारण यह कार्य आज भी अधर में लटका हुआ है। तीन साल पहले सड़क पर गिट्टी बिछाकर काम बंद कर दिया गया था जिसके बाद से आज तक मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ। वर्तमान में यह अधूरा मार्ग ग्रामीणों और राहगीरों के लिए भारी समस्या का कारण बना हुआ है।

२ किमी के सफर के लिए काटना पड़ रहा फेरा

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोस्ते से मदनपुर मार्ग मूल रूप से एक कच्चा मार्ग रहा है। बायपास मार्ग होने के कारण लोग मदनपुर जाने के लिए इसी रास्ते का उपयोग करते हैं, क्योंकि इससे मदनपुर की दूरी मात्र २ किलोमीटर पड़ती है। ग्रामीणों की मांग पर खनिज विभाग के द्वारा इस मार्ग के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी और लोक निर्माण विभाग के माध्यम से निर्माण कार्य शुरू कराया गया था। परंतु ठेकेदार के द्वारा केवल समतलीकरण कर गिट्टी डालकर छोड़ देने के कारण अब स्थिति इतनी खराब हो गई है कि लोगों को विवश होकर ५ किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है। सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार के द्वारा दोनों ओर की खेत नालियों को बंद कर दिया गया था। इसके दुष्परिणाम स्वरूप बारिश के दिनों में खेतों से निकलने वाला पानी सड़कों के ऊपर से बह रहा है। वर्तमान वर्षा ऋतु में स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि मार्ग पर जगह जगह गहरा कीचड़ और दलदल बन गया है। यह मार्ग क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके दोनों ओर बड़ी संख्या में कृषि भूमि स्थित है। वर्तमान में मार्ग की खस्ताहाल स्थिति से मजबूरी में इस रास्ते से गुजरने वाले ग्रामीण और किसान आए दिन कीचड़ और बिखरी गिट्टियों के कारण गिरकर चोटिल हो रहे हैं। नुकीली गिट्टियों के कारण राह से गुजरने वाले मवेशियों के खुरों और पैरों में गिट्टी गड़ रही है जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो रहे हैं। दलदल और कीचड़ के कारण दोपहिया व पैदल चालकों का निकलना बेहद जोखिमभरा हो गया है। संबंधित विभाग की उदासीनता के कारण ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने शासन और संबंधित प्रशासनिक विभाग से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस अधर में लटके निर्माण कार्य को तत्काल पूर्ण कराया जाए तथा बंद पड़ी नालियों को दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

बहुत ज्यादा समस्या है गड्ढे और कीचड़ बहुत हो गया है-रोहित ठाकरे

ग्रामीण रोहित ठाकरे ने बताया कि यह मार्ग कोस्ते से मदनपुर है इस पर बहुत समस्या है गड्ढे और कीचड़ बहुत हो गया है। खेतों में आने वाला नहर का पानी भी रोड के ऊपर से जा रहा है यहां पर खेत नाली नहीं है। सड़क निर्माण का कार्य यहां पर चालू हुआ था फिर क्यों रुक गया इसकी तो जानकारी नहीं है। आने जाने में बहुत ज्यादा कीचड़ परेशानी बना हुआ है। मोटरसाइकिल साइकिल स्लिप हो रही है बहुत दिक्कत है हम यही चाहते हैं कि जल्द यहां रोड का निर्माण हो और किनारे नाली बने ताकि व्यवस्थित पानी वह कीचड़ और दलदल से परेशानी ना हो।

सड़क में जगह.जगह गड्ढे हो गया है चलना दुर्भर है- मनोज राजुरकर

ग्रामीण मनोज राजुरकर ने बताया कि यह मदनपुर नाले के पास सड़क जाती है जगह.जगह गड्ढे हो गया है चलना दुर्भर है। सिचाई विभाग की नाली भी नहीं है यदि यह सड़क बन जाती तो साइड से पानी जाता ३ वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है रोड का काम बंद पड़ा हुआ है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी कोई इसमें सुध नहीं ले रहे हैं। हम चाहते हैं कि अधिकारी जल्द यह काम करवाये परंतु वह कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। किसान और ग्रामीण समीप का रास्ता होने से आते जाते हैं जो परेशान हैं।

एक दर्जन से अधिक भाजपा के कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

विधायक पटेल ने सभी को गमछा पहनाकर दिलाई कांग्रेस पार्टी की सदस्यता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विपक्षी दलों के संगठनात्मक गतिविधियों और मेल मिलाप के तहत विभिन्न राज्यों में स्थानीय स्तर पर दलबदल के ऐसे कई मामले सामने आते रहे है। जहां दर्जनों की संख्या एक साथ भाजपा के कार्यकर्ता कांग्रेस का हाथ थाम रहे है। इसी के तहत गुरुवार को वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम पंचायत घोटी के लगभग एक दर्जन से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं ने वारासिवनी जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस का हाथ थामा है। कांग्रेस विधायक विवेक पटेल ने सभी को कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर सदस्यता दिलाई। यह भाजपा पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है,बताया जा रहा है ये सभी पूर्व भाजपा कार्यकर्ता पिछले कई वर्षों से नाराज चल रहे थे। वहीं विधायक विवेक पटेल के द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस का हाथ थामा है। इस दौरान रुतनलाल लिल्हारे,नितिन बागड़े,चंद्रजीत लिल्हारे,पंकज लिल्हारे, राकेश सेलोकर, रंजीत लिल्हारे, विनोद बैस,आकाश लिल्हारे, सुरेन्द्र चौरागडे,रोगराज लिल्हारे,सुनील लिल्हारे,विनायक कावड़े, जितेंद्र बाहेश्वर, जीतलाल नगपुरे,मदनलाल नगपुरे , देवराम लिल्हारे ग्राम घोटी को गमछा पहनाकर सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर तेजराम नगपुरे, संदेश बिसेन, राजकुमार चौधरी, महादेव ठाकरे,देवराम लिल्हारे मौजूद रहे। वहीं विधायक विवेक पटेल ने कहा कि प्रदेश के कई तमाम मुद्दों को लेकर लोग परेशान है। वहीं क्षेत्र में किसी एक बाहरी कार्यकर्ता भाजपा पार्टी को चला रहे है। जिससे भाजपा के कार्यकर्ता बेहद परेशान है वहीं पुराने भाजपा कार्यकर्ता को दरकिनार करते हुए उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मेरे विधायक बनने के बाद लगभग सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का हाथ थामा है। अभी और नगर के कुछ बड़े जनप्रतिनिधि सहित भाजपा के कार्यकर्ता मेरे संपर्क में है वे भी नगर पालिका चुनाव के पूर्व कांग्रेस का हाथ थामेंगे।

अभिराज की वापसी और इंसानियत का सवाल

बिहार के मुंगेर के लालदरवाजा मोहल्ले में बुधवार की दोपहर तीन साल के अभिराज के परिवार के लिए जैसे समय रुक गया था। बच्चा घर के आसपास खेल रहा था। मां-बाप के लिए यह रोज की सामान्य बात थी। मोहल्ले की गलियां परिचित थीं और आसपास के लोग जाने-पहचाने। फिर अचानक अभिराज दिखाई नहीं दिया। पहले तलाश हुई, फिर बेचैनी बढ़ी और देखते-देखते वह बेचैनी उस डर में बदल गई, जिसे कोई माता-पिता कभी महसूस नहीं करना चाहता—बच्चा कहीं चला गया है। तीन साल के बच्चे का गायब होना परिवार के लिए केवल किसी सदस्य के घर से दूर हो जाने की घटना नहीं होती। वह घर की धड़कन के अचानक गायब हो जाने जैसा है। मां की आंखें हर दरवाजे पर टिक जाती हैं, पिता हर गुजरते व्यक्ति में बेटे की शक्ल तलाशने लगता है। इस परिवार के लिए भी दोपहर करीब डेढ़ बजे से शाम पांच बजे तक का समय इसी बेचैनी में बीता। शाम करीब पांच बजे कोतवाली थाना पुलिस को सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। मुंगेर के पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद के मुताबिक, पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में मोहल्ले की ही एक नाबालिग लड़की बच्चे को अपने साथ ले जाती दिखाई दी। इसके बाद बच्चे को एक लग्जरी वाहन में बैठाए जाने का सुराग मिला। पुलिस ने इसी आधार पर मोहल्ले के नीरज यादव के घर पर छापेमारी की। नीरज यादव और उसकी नाबालिग बेटी को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, वहां से करीब एक लाख रुपये बरामद हुए। पूछताछ में कथित तौर पर यह जानकारी सामने आई कि बच्चे को पंजाब के एक परिवार को सौंपने के लिए ले जाया गया था। यहां कानूनी सावधानी जरूरी है। पुलिस पूछताछ में सामने आई किसी बात को न्यायिक निर्णय से पहले अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए लोगों की भूमिका अदालत में प्रमाणित होनी बाकी है। लेकिन यदि बच्चे को पैसे के बदले दूसरे परिवार को सौंपने की योजना जांच में सच साबित होती है, तो मामला सामान्य अपहरण से कहीं अधिक गंभीर हो जाएगा। आखिर चंद पैसों के लिए कोई इंसान कितना नीचे गिर सकता है? एक बच्चा कोई वस्तु नहीं है। वह कोई सामान नहीं जिसे खरीदा या बेचा जा सके। वह मां की गोद का संसार, पिता के भविष्य का सपना और समाज की सबसे मासूम कड़ी है। उसकी रक्षा करना केवल कानूनी दायित्व नहीं, मनुष्य होने की पहली शर्त है। लेकिन जब पैसे का लालच संवेदना पर भारी पड़ने लगे तो रिश्ते, पड़ोस, भरोसा और इंसानियत सब कमजोर पड़ने लगते हैं। अभिराज का मामला इसी विडंबना को सामने लाता है। इस घटना का दूसरा पक्ष उम्मीद जगाता है। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को वाहन का सुराग मिला। तकनीकी जांच में वाहन की लोकेशन भोजपुर में मिली। मुंगेर पुलिस ने तत्काल भोजपुर पुलिस से संपर्क किया। हाईवे पर निगरानी बढ़ाई गई और संदिग्ध वाहन को रोक लिया गया। पुलिस के अनुसार, वाहन में सवार पंजाब के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। मुंगेर से नीरज यादव को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसकी नाबालिग बेटी को हिरासत में लिया गया। इस तरह तकनीक, त्वरित कार्रवाई और अंतर-जिला पुलिस समन्वय ने एक मासूम को उसके परिवार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डिजिटल नशा-क्या सिगरेट- शराब- तंबाकू की तरह सोशल मीडिया पर भी लगे वैधानिक चेतावनी?

वैश्विक स्तरपर आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का केवल संचार माध्यम नहीं रह गया है।फेसबुक, इंस्टाग्राम व्हाट्सऐप,यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म अबसूचना मनोरंजन, कारोबार, शिक्षा, राजनीति और सामाजिक संपर्क की हमारी रोजमर्रा की व्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन इसी सुविधा के साथ गंभीर प्रश्न तेजी से सामने आ रहा है क्या सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल भी सार्वजनिक स्वास्थ्य का विषय बन चुका है? जिस तरह कभी सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू और शराब को केवल व्यक्ति की निजी पसंद कहा जाता था,लेकिनसमय के साथ यह स्वीकार किया गया कि इनके दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहते,उसी प्रकार अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के डिजाइन, एल्गोरिदम और हानिकारक कंटेंट को लेकर कंपनियों की जवाबदेही का सवाल उठ रहा है। विशेषकर बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और भारत में बढ़ती कानूनी एवं नियामकीय सक्रियता संकेत दे रही है कि डिजिटल दुनिया में भी व्यक्तिगत पसंद' से 'कॉरपोरेट जवाबदेही' की यात्रा शुरू हो चुकी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सोशल मीडिया पर भी सिगरेट जैसी वैधानिक चेतावनी जरूरी है? इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा जाना चाहिए कि अत्यधिक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है'? मेरे विचार से इस विचार को पूरी तरह खारिज करने के बजाय इसे आधुनिकडिजिटल सुरक्षा व्यवस्था का एक हिस्सा बनाया जाना चाहिए।लेकिन केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त नहीं होगा। जिस तरह तंबाकू पर चेतावनी के साथ एडवरटाइजिंग रेस्ट्रिक्टओन्स ,ऐज रेस्ट्रिक्टओन्स और पैकेजग रूल्स बनाए गए,उसी प्रकार सोशल मीडिया के लिए भी बहुस्तरीय व्यवस्था चाहिए।पहला कदम हो सकता है, नाबालिगों के लिए स्पष्ट स्वास्थ्य और सुरक्षा चेतावनी। दूसरा उम्र सत्यापन और चाइल्ड-सेफ डिफाल्ट सेटिंग्स । तीसरा, रात के समय पुश नोटिफिकेशन्स और एडिक्टिव इंगेजमेंट फीचर्स पर नियंत्रण। चौथा,बच्चों के लिए पर्सनालिज्ड रेकमेंडेशन सिस्टमस की स्वतंत्र ऑडिट । पांचवां,सीएसएएम , डीपफेक और सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन सामग्री के खिलाफ अत्यंत तेज डिटेक्शन और रिमूवल व्यवस्था। छठा,कंपनियों की आंतरिक रिस्क रिपोर्ट्स और अलगोरिथमिक सेफ्टी असेसमेंट्स की स्वतंत्र निगरानी। और सातवां उल्लंघन होने पर ऐसा आर्थिक दंड जो कंपनी के लिए केवल 'व्यावसायिक खर्च बनकर न रह जाए। साथियों बात अगर हम न्यू मैक्सिको का ऐतिहासिक फैसला- 942 मिलियन डॉलर (लगभग 9000 करोड़) की कानूनी चोट और पब्लिक न्यूसेंस का सवाल इस बहस को सबसे बड़ा कानूनी आधार अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य में 6 अगस्त 2026 को देखने को मिला। जहां जूरी ने मेटा प्लेटफार्मस को बच्चों को नुकसान पहुंचाने और प्लेटफॉर्म की सुरक्षा के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह करने के मामले में जिम्मेदार ठहराते हुए,इस मामले के दूसरे चरण में जज ब्रायन बिएडशीड ने मेटा को अतिरिक्त 567 मिलियन डॉलर देने का आदेश दिया। इससे दोनों चरणों की राशि मिलाकर कुल कानूनी देनदारी 942 मिलियन डॉलर हो गई। इस दूसरी राशि में से लगभग 420 डॉलर मिलियन युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य उपचार के लिए इस्तेमाल किए जाने हैं, जबकि शेष धनराशि जागरूकता, रोकथाम स्क्रीनिंग और संबंधित कार्यक्रमों पर खर्च होगी। इसके पहले 24 मार्च 2026 को न्यू मैक्सिको की जूरी ने मेटा प्लेटफार्मस को बच्चों को नुकसान पहुंचाने और प्लेटफॉर्म की सुरक्षा के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह करने के मामले में जिम्मेदार ठहराते हुए 375 मिलियन डॉलर का सिविल पेनल्टी लगाया। न्यू मैक्सिको डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इसे किसी बड़े टेक प्लेटफॉर्म के खिलाफ राज्य द्वारा ट्रायल में हासिल की गई ऐतिहासिक जीत बताया। साथियों, इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण बात केवल जुर्माने की राशि नहीं है, बल्कि अदालत द्वारा प्लेटफॉर्म के सामाजिक प्रभाव को देखने का नजरिया है। जज ने मेटा को पब्लिक नूईसन्स के रूप में जिम्मेदार ठहराया और प्लेटफॉर्म के डिजाइन तथा बच्चों की सुरक्षा से जुड़े जोखिमों पर कठोर रुख अपनाया। अदालत ने नाबालिगों के लिए नोटिफिकेशन, उम्र सत्यापन, स्क्रीन-टाइम और अन्य डिजाइन फीचर्स में बदलाव जैसे उपायों का आदेश दिया। यह वही बिंदु है जहां सोशल मीडिया को केवल 'एक ऐप' न मानकर उसके पूरे व्यावसायिक डिजाइन और सामाजिक प्रभाव को कानूनी जांच के दायरे में लाया जा रहा है,यहां एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक सावधानी भी जरूरी है। सोशल मीडिया को सीधे तौर पर सिगरेट जितना नुकसानदायक घोषित करना अभी वैज्ञानिक या कानूनी रूप से स्थापित निष्कर्ष नहीं है। लेकिन यह तुलना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों मामलों में बहस इस प्रश्न पर पहुंचती है कि यदि किसी व्यावसायिक उत्पाद के डिजाइन से पूर्वानुमेय नुकसान पैदा होता है, तो क्या निर्माता केवल यह कहकर जिम्मेदारी से बच सकता है कि इस्तेमाल करना उपभोक्ता की सटीकता से व्यक्तिगत पसंद थी? साथियों बात अगर हम 5 अगस्त 2026 का भारत कनेक्शन -मेटा के सामने कंटेंट, एल्गोरिदम और जवाबदेही की चुनौती इसको समझने की करें तो अमेरिका में कानूनी कार्रवाई के समानांतर भारत में भी मेटा के लिए जवाबदेही का दबाव बढ़ा है। 5 अगस्त 2026 को भारत सरकार और मेटा के बीच हुई उच्चस्तरीय बातचीत के बाद प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा, हानिकारक कंटेंट, डीपफेक और संचालन संबंधी समस्याओं को लेकर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संबंधित एक फेसबुक वीडियो के हटाए जाने के विवाद ने भी इस व्यापक बहस को राजनीतिक और नियामकीय महत्व दिया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार मेटा की ओर से भारत में बातचीत जारी रखने और एल्गोरिदम तथा कानूनी अनुपालन संबंधी मुद्दों पर काम करने की बात सामने आई।यहां यह अंतर करना जरूरी है कि मेटा द्वारा भारत सरकार से मार्क जुकरबर्ग की व्यक्तिगत औपचारिक माफी और प्लेटफॉर्म पर सीएसएएम , डीपफेक अथवा ऑपरेशनल एररस के संबंध में मेटा की ओर से खेद व्यक्त किए जाने के दावों को अलग-अलग देखा जाना चाहिए। उपलब्ध सार्वजनिक रिपोर्टिंग में इन घटनाओं का विवरण पूरी तरह एक जैसा नहीं है। इसलिए इसे अंतिम रूप से यह कहना उचित नहीं होगा कि जुकरबर्ग ने केवल प्रधानमंत्री की पोस्ट हटाए जाने के लिए व्यक्तिगत रूप से माफी मांगी।लेकिन इससे मूल प्रश्न कम गंभीर नहीं होता। भारत जैसे विशाल डिजिटल बाजार में जहां करोड़ों लोग सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, वहां प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी केवल 'कंटेंट हटाने' तक सीमित नहीं रह सकती।बच्चों को यौन शोषण सामग्री, डीपफेक, साइबर बुलिंग, खतरनाक चुनौतियों, आत्महानि से संबंधित सामग्री अथवा अत्यधिक उत्तेजक कंटेंट से बचाने के लिए एल्गोरिदमिक जवाबदेही, तेज शिकायत निवारण, आयु सत्यापन और मानव निगरानी जैसे उपाय महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम 12 अगस्त से अमेरिका में अगला बड़ा मोर्चा- क्या पूरा बिजनेस मॉडल कटघरे में आएगा?इसको समझने की करें तो न्यू मैक्सिको का फैसला अकेला मामला नहीं है। अमेरिका में मेटा के खिलाफ अनेक राज्यों द्वारा दायर मुकदमों का व्यापक कानूनी दबाव जारी है। आपके लेख के संदर्भ में 12 अगस्त 2026 से शुरू होने वाली कार्यवाही विशेष महत्व रखती है, क्योंकि इसमें अनेक राज्यों की ओर से सोशल मीडिया के कथित एडिक्टिव डि?ाइन और बच्चों की सुरक्षा से संबंधित आरोपों पर सुनवाई आगे बढ़ने वाली है। इसके बाद 18 अगस्त 2026 से शुरुआती दलीलें शुरू होने की योजना बताई गई है।इन मामलों का असली महत्व संभावित जुर्माने से भी बड़ा है। यदि अदालतें यह मानती हैं कि किसी प्लेटफॉर्म नेजानबूझकर या लापरवाही से ऐसे डिजाइन फीचर्स बनाए जिनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना था, जबकि कंपनी को बच्चों पर संभावित नुकसान की जानकारी थी, तो भविष्य में टेक कंपनियों की जिम्मेदारी तय करने का पूरा कानूनी ढांचा सटीकता से बदल सकता है। साथियों,यानें सवाल केवल यह नहीं रहेगा कि बच्चे ने कितने घंटे इंस्टाग्राम चलाया? बल्कि यह भी पूछा जाएगा कि प्लेटफॉर्म ने उसे बार-बार लौटने के लिए कितना डिजाइन किया? इंफीनिट स्क्रॉल ऑटोप्ले,लगातार नोटिफिकेशन्स, हाईली पर्सनालिज्ड रेकमेंडानिओन्स और इंगेजमेंट - बेस्ड अलगोरिथम्स इसी बहस के केंद्र में हैं।यूरोपीय आयोग ने भी 10 जुलाई 2026 को प्रारंभिक निष्कर्ष में मेटा के इंस्टाग्राम और फेसबुक के एडिक्टिव डि?ाइन को डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत संभावित उल्लंघन माना। आयोग ने इंफीनिट स्क्रॉल ,ऑटोप्ले , पुश नोटिफिकेशन्स और पर्सनालिज्ड रेकमेंडर सिस्टमस को जांच के केंद्र में रखा। साथियों बात अगर हम दुनियाँ का रुख बदल रहा है- इसको समझने की करें तोऑस्ट्रेलिया से ब्रिटेन तक बच्चों के लिए डिजिटल सीमाएं सोशल मीडिया रेगुलेशन अब किसी एक देश की कहानी नहीं है। ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर दुनिया के सबसे कठोर मॉडलों में से एक लागू किया है। वहां प्लेटफॉर्मों पर यह जिम्मेदारी डाली गई है कि वे अंडर -16 यूजरस के अकाउंट रोकने के लिए उचित कदम उठाएं। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना हो सकता है; बच्चों या उनके अभिभावकों पर दंड नहीं है।ब्रिटेन ने भी जून 2026 में घोषणा की है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लाया जाएगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

संसद का तीसरा सप्ताह भी हंगामे की भेंट, जनता पूछ रही—आखिर कब होगी मुद्दों पर चर्चा?

संसद का मानसून सत्र अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है, लेकिन जिस उम्मीद के साथ देश की जनता ने जनप्रतिनिधियों को संसद भेजा था, वह उम्मीद लगातार कमजोर होती जा रही है। मंगलवार को एक बार फिर संसद परिसर से लेकर लोकसभा और राज्यसभा तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला। संसद के बाहर एनडीए सांसदों ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया तो विपक्षी सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाए। दोनों पक्षों के सांसद आमने-सामने आए और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया। परिणाम यह हुआ कि सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही समय बाद दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ था और अब इसके समाप्त होने में केवल कुछ दिन शेष हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या बचे हुए समय में संसद अपने वास्तविक कामकाज की ओर लौट पाएगी? संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां देश के करोड़ों लोगों से जुड़े मुद्दों पर बहस, सवाल और समाधान की उम्मीद की जाती है। लेकिन लगातार हंगामे और नारेबाजी के कारण सांसदों को अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाने और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहा है। मंगलवार को संसद परिसर में एनडीए सांसदों ने मकर द्वार तक विरोध मार्च निकाला। उनके हाथों में राहुल गांधी के खिलाफ पोस्टर थे और वे झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी से जवाब मांग रहे थे। भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं गए। इसी दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वहां पहुंचीं। भाजपा सांसदों की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाए जा रहे थे। प्रियंका गांधी ने इसका जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी झारखंड गए हैं और छात्रों से मिल भी चुके हैं। यह घटनाक्रम संसद के भीतर चल रहे राजनीतिक टकराव का विस्तार ही नजर आया। विपक्ष झारखंड में छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई और 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के मामले में गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांग रहा है। सरकार की ओर से कहा गया है कि गृह मंत्री इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं। वहीं राहुल गांधी का कहना है कि विपक्ष केवल गृह मंत्री की राय सुनना नहीं चाहता, बल्कि यह जानना चाहता है कि छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और गोलीबारी का आदेश किसने दिया। कांग्रेस की ओर से भी सरकार पर लगातार निशाना साधा जा रहा है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना के तुरंत बाद उसकी निंदा की थी। दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस पर छात्रों के मुद्दे पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पास तथ्य नहीं हैं और विपक्ष सरकार का जवाब सुनने के बजाय केवल आरोप लगाना चाहता है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी राहुल गांधी पर सदन चलने देने से बचने का आरोप लगाया और कहा कि जब गृह मंत्री चर्चा के लिए तैयार हैं तो विपक्ष को सदन चलने देना चाहिए। राजनीतिक दलों के बीच इस आरोप-प्रत्यारोप का सबसे बड़ा नुकसान संसद के कामकाज को हो रहा है। सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, जबकि विपक्ष का आरोप है कि सरकार महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने से बच रही है। लोकतंत्र में दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क हो सकते हैं, लेकिन संसद का उद्देश्य केवल एक-दूसरे पर राजनीतिक आरोप लगाना नहीं है। सत्ता पक्ष के पास सरकार चलाने की जिम्मेदारी है तो विपक्ष के पास सरकार से सवाल पूछने और उसकी नीतियों की जांच करने की जिम्मेदारी है। दोनों भूमिकाएं लोकतंत्र के लिए समान रूप से जरूरी हैं। विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने, विरोध दर्ज कराने और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने का पूरा अधिकार है। इसी तरह सरकार को भी विपक्ष के सवालों का जवाब देने और अपनी नीतियों का पक्ष रखने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन सदन की कार्यवाही को लगातार बाधित करने का माध्यम बन जाता है, तब लोकतांत्रिक बहस कमजोर पड़ती है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि किस दल ने ज्यादा नारे लगाए या किसने किसके खिलाफ पोस्टर दिखाए। असली सवाल यह होना चाहिए कि देश की जनता के लिए संसद ने क्या काम किया। संसद में एक दिन की कार्यवाही पर सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा खर्च होता है। सांसदों के वेतन और भत्तों से लेकर संसद की सुरक्षा, प्रशासन, कर्मचारियों और अन्य व्यवस्थाओं तक जनता के कर से प्राप्त धन खर्च होता है। इसलिए संसद का प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण है। जब सदन लगातार स्थगित होता है तो नुकसान केवल सरकार या विपक्ष का नहीं होता, बल्कि सीधे जनता का होता है। देश के अलग-अलग हिस्सों से चुनकर आए सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याएं संसद में उठाने का अवसर खो देते हैं। देश में इस समय रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याएं, युवाओं के भविष्य, बुनियादी ढांचे और कानून-व्यवस्था जैसे अनेक मुद्दे हैं। अलग-अलग राज्यों के सांसद अपने क्षेत्र की सड़क, पानी, बिजली, रेल, उद्योग, सिंचाई और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को संसद के सामने रखना चाहते हैं। लेकिन राजनीतिक टकराव के कारण उनका समय हंगामे में निकल जाता है। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। यह भी सही है कि केवल विपक्ष को संसद ठप होने के लिए जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए गंभीर मुद्दों को पर्याप्त महत्व दे और संवाद का रास्ता खुला रखे। विपक्ष के सवालों का जवाब देना सरकार की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। वहीं विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह सरकार के जवाब को सुने और असहमति होने पर संसदीय तरीकों से अपना विरोध दर्ज कराए। संसद में बहस हो, तीखी बहस हो, सरकार की आलोचना हो, लेकिन चर्चा का मंच बंद नहीं होना चाहिए। संसद में हंगामा कोई नई बात नहीं है। लोकतांत्रिक राजनीति में विरोध प्रदर्शन और असहमति स्वाभाविक हैं। कई बार विपक्ष को अपनी आवाज बुलंद करने के लिए सदन में विरोध का सहारा लेना पड़ता है। लेकिन जब लगातार कई दिन तक कामकाज बाधित हो और महत्वपूर्ण विधेयक तथा जनहित के विषय चर्चा से बाहर हो जाएं, तब पूरे संसदीय तंत्र पर सवाल खड़े होते हैं। मानसून सत्र का तीसरा सप्ताह भी इसी राजनीतिक खींचतान में निकलता दिखाई दे रहा है। इससे पहले राम मंदिर चढ़ावे से जुड़े कथित मामले को लेकर विपक्ष ने प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ सरकार और एनडीए सांसद विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाते रहे हैं। कुछ विधेयक सदन में पारित जरूर हुए हैं, लेकिन व्यापक स्तर पर बहस और चर्चा का वातावरण नहीं बन पाया है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि संसद में जनप्रतिनिधियों को जनता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा का अवसर नहीं मिलेगा तो फिर लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था की उपयोगिता कैसे सुनिश्चित होगी? देश की जनता पक्ष और विपक्ष दोनों से जवाब चाहती है। जनता यह नहीं देखना चाहती कि संसद के बाहर किसने किसके खिलाफ नारे लगाए। वह यह देखना चाहती है कि उसके सांसद उसके जीवन से जुड़े सवाल कब उठाएंगे। किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है, युवा रोजगार और शिक्षा के अवसर चाहता है, व्यापारी बेहतर आर्थिक माहौल चाहता है और आम नागरिक महंगाई तथा सुविधाओं से जुड़े सवालों का जवाब चाहता है। इन सभी सवालों का सबसे बड़ा मंच संसद ही है। इसलिए अब समय आ गया है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक टकराव से ऊपर उठकर संसद को चलाने की जिम्मेदारी निभाएं। सरकार को विपक्ष के गंभीर सवालों का जवाब देना चाहिए और विपक्ष को भी चर्चा के दौरान अपनी बात रखने के बाद सरकार का पक्ष सुनना चाहिए।

यदि किसी मुद्दे पर मतभेद है तो मतदान हो सकता है, संसदीय समितियों में चर्चा हो सकती है और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराया जा सकता है। लेकिन सदन को लगातार बाधित करना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है। संसद केवल सांसदों की संस्था नहीं है। यह देश के नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। संसद में जब एक सांसद अपने क्षेत्र की सड़क, अस्पताल, स्कूल या रोजगार की समस्या उठाता है तो उसके पीछे हजारों लोगों की आवाज होती है। जब संसद हंगामे के कारण नहीं चलती, तब उन आवाजों को भी मंच नहीं मिल पाता। मानसून सत्र के अब कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में देश की जनता की अपेक्षा साफ है कि बचे हुए समय का अधिकतम उपयोग जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए किया जाए। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चुनावी मैदान में होते रहेंगे, लेकिन संसद का समय वापस नहीं आता। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि सदन चलाना किसी एक दल की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक संवैधानिक दायित्व है। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी जरूर हो सकते हैं, लेकिन संसद के प्रति दोनों की जिम्मेदारी समान है। जनता ने उन्हें बहस करने, सवाल पूछने और जवाब देने के लिए चुना है, सदन रोकने के लिए नहीं। इसलिए अब जरूरत नारेबाजी की नहीं, संवाद की है; टकराव की नहीं, बहस की है और राजनीतिक आरोपों की नहीं, जनता के सवालों के समाधान की है। संसद चलेगी तभी लोकतंत्र की आवाज मजबूत होगी और देश आगे बढ़ेगा।

-कांतिलाल मांडोत

तिरंगा-भारत की आन, बान और शान

-हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दर्शाते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है। तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें नि:स्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दर्शाता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दर्शाता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दर्शाता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है। भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा। भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दर्शाने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ़ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे। भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। होम रूल आंदोलन के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निर्देशों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दर्शाती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दर्शाती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था। भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2-3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छ- जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह चक्र 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। उठाव की सुस्तता से गुरूवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन घटाकर बोला गया। दलहनों में चने में सुर्खी पुन~ बनी। अन्य दलहन बने रहे। किराना जिंसों में तरबूज मगज में पूछपरख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में उठाव की सुस्तता से भावों में नरमी के समीकरण बने है। तिलहनों में सोयाबीन घटाकर बोला गया। दलहनों में चने में माँग निकलने से बाजार पुन~ तेजी के देखे गये। उधर, किराना जिंसों में तरबूज मगज सहित अन्य जिंसों में लेवाली से भावों में सुधार रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5070-5130, खोपरा गोला 390-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 925-950, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1075, सिंगापुरी 975-1075, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1175, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300, (160) 3800, (200) 4400, (250) 5000,

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1460-1465, कपास्या 1650, धूलिया 1640, कड़ी 1650,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700-1725, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1495,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7200-7400, सोयाबीन 6700, टोली (महुआ बीज) 5500-5600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6650, एवरेज 6300-6400, विशाल 6350-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। चाँदी में बाजार आंशिक सुस्ती पर रहे। वहीं, सोने में बाजार चमक पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 232000, चाँदी (99) 231900, टंच 231200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149600,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.39 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया सात पैसे की गिरवट के साथ ही 95.40 के स्तर पर खुला। ये गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से आई है। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया वहीं रुपया बुध्वार को 95.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

शेयर बाजार सपाट पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली होने से बाजार पर ये दबाव आया। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय से भी बाजार धारणा कमजोर हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.61 अंक बढ़कर 78,079.96 पर पहुंच गया, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 40.10 अंक नीचे अकर 24,395.85 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4545 शेयरों में बढ़त जबकि 2,198 शेयरों में गिरावट आई । वहीं 227 शेयरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया । निफ्टी के प्रमुख शेयरों में टाटा कंज्यूमर, टाटा मोटर्स , एनटीपीसी और श्रीराम फाइनेंस सबसे अधिक बढ़त वाले शेयर रहे जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम और पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक गिरे। आज कारोबार के दौरान निफ्टी मेटल इंडेक्स में और प्राइवेट बैंक इंडेक्स में गिरावट रही जबकि रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप दोनों इंडेक्स में हल्की बढ़त रही। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। सुबह सेंसेक्स 181 अंक के नुकसान के साथ ही 77,785.48 पर कामकाज कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 87.45 अंक फिसलकर 24,348.50 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

यूपीआई की लागत को कम करने दो विकल्पों पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने संसद की वित्त मामलों की स्थायी समिति को बताया कि वित्तीय सेवा विभाग यूपीआई की वित्तीय लागत को कम करने के लिए दो विकल्पों पर विचार कर रही है। पहला विकल्प- बड़े यूपीआई लेन-देन या बड़े कारोबारियों के लिए मर्चेंट छूट दर फिर से लागू करना और दूसरा सरकारी मदद को अगले कुछ सालों में कम करने के लिए अलग-अलग स्तर का प्रोत्साहन तंत्र लागू करना है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने 17 जुलाई को समिति को दिए जवाब में कहा कि यूपीआई तंत्र को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने और सरकार के खजाने पर पड़ रहे बोझ को देखते हुए इन दोनों विकल्पों पर काम किया जा रहा है। संसदीय समिति ने संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि यूपीआई लेन-देन को प्रोत्साहन देने और शून्य एमडीआर की वजह से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सरकार ने 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। वहीं, उद्योग का अनुमान है कि यूपीआई की परिचालन लागत करीब 20,700 करोड़ रुपए है। लोकसभा सांसद भर्तृहरि माहताब की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अब कानून में यह प्रावधान मौजूद है कि बड़े मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर तय सीमा के तहत एमडीआर लगाया जा सकता है, लेकिन अगर इसे लागू करने में और देरी होती है तब भुगतान कंपनियां अपर्याप्त सरकारी सब्सिडी पर निर्भर रहेंगी।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेज शुरुआत हुई इसके बाद भी इन दोनो कीमती धातुओं में कमजोरी आई है। कॉमेक्स पर सोना 4,465 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.60 डॉलर प्रति औंस के करीब कामकाज कर रहा है। वहीं घरेलू बजार में सोने के वायदा भाव 1,54,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,37,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 189 रुपये उछलकर 1,55,071 रुपये की कीमत पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 170 रुपये नीचे आकर 1,54,712 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,55,145 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,54,694 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 165 रुपये की तेजी के साथ 2,38,000 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,37,835 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये टूटकर 2,36,825 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,38,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,37,300 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। कॉमेक्स पर सोना 4,468.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव प्राइस 4,467.50 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 65.45 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 65.70 डॉलर था।

मेष- आज का दिन आपके लिए संतुलन, सुकून और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आया है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और अपने प्रिय के साथ बिताए गए पल आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएंगे। वैवाहिक जीवन में भी खुशियों का माहौल रहेगा। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि, सम्मान या प्रमोशन मिलने की संभावना है, जिससे पूरे परिवार का उत्साह बढ़ेगा। संतान के भविष्य को लेकर गंभीर चर्चा हो सकती है और आप उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन नई जिम्मेदारियों और सुनहरे अवसरों की सौगात लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में आपको महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, जिसे आप पूरी लगन और आत्मविश्वास के साथ निभाएंगे। आपकी मेहनत और ईमानदारी वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी। सरकारी योजनाओं या किसी सरकारी सुविधा का लाभ मिलने के योग हैं। अनावश्यक विवादों और उलझनों से दूरी बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मिथुन- आज आप अपने हर काम को समय पर पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्रिय और उत्साहित रहेंगे। आपकी मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार समाज में आपका सम्मान बढ़ाएंगे। अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखना ही आज आपकी सबसे बड़ी सफलता की कुंजी बनेगा। व्यापार करने वालों को अपने उत्पाद या सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यही आपकी पहचान और प्रतिष्ठा को मजबूत करेगी।

कर्क- आज आपको अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान बनाए रखना होगा। कार्यक्षेत्र में एकाग्रता और अनुशासन ही आपको सफलता दिलाएंगे। फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें। आर्थिक लेन-देन पूरी सावधानी और लिखित प्रमाण के साथ करें, ताकि भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो। कानूनी मामलों में जल्दबाजी करने से बचें और हर कदम सोच-समझकर उठाएं।

सिंह- आज का दिन आपको हर कदम सोच-समझकर आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। अपनी जरूरतों और सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन आर्थिक संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। प्रेम संबंधों में रोमांस और अपनापन बढ़ेगा। साथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते को और मजबूत बनाएगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर सकती है। घर के लंबे समय से रुके हुए कार्यों को पूरा करने का अच्छा अवसर मिलेगा।

कन्या- आज किसी बड़े बदलाव की बजाय स्थिरता बनाए रखना आपके लिए अधिक लाभदायक रहेगा। परिवार में यदि किसी बात को लेकर तनाव चल रहा है, तो मिल-बैठकर बातचीत करने से समाधान निकल सकता है। मन में किसी पुराने मामले को लेकर उलझन बनी रह सकती है, खासकर यदि कोई छिपी हुई बात सामने आए। परिवार के किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

तुला- आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कोई महत्वपूर्ण काम अंतिम समय में अटक सकता है, जिससे थोड़ी निराशा महसूस होगी। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी भी डील या समझौते को पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही अंतिम रूप देना चाहिए। संतान की पढ़ाई, करियर और संगति पर विशेष ध्यान दें।

वृश्चिक- आज का दिन शुरुआत में थोड़ा उलझा हुआ महसूस हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां आपके पक्ष में होती जाएंगी। विदेश यात्रा या विदेश से जुड़े किसी कार्य की योजना बन सकती है। रिश्तेदारों से मिलते समय अपनी वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखें। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी होने की संभावना है और नया वाहन खरीदने का सपना भी साकार हो सकता है।

धनु- आज साझेदारी में किए गए कार्य आपके लिए लाभदायक साबित होंगे। परिवार के साथ बैठकर पुरानी समस्याओं का समाधान निकालने का अच्छा समय है। जीवनसाथी या पार्टनर के साथ कहीं घूमने-फिरने की योजना बन सकती है, जिससे रिश्तों में और अधिक मिठास आएगी। भविष्य की योजनाओं और आर्थिक मामलों पर भी गंभीर चर्चा होगी। मन में कुछ छोटी-मोटी चिंताएं जरूर रहेंगी, लेकिन आपका सकारात्मक दृष्टिकोण हर स्थिति को आसान बना देगा।

मकर- आज का दिन खुशियों और उपलब्धियों से भरा रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं और आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा। प्रेम जीवन भी पहले से अधिक सुखद और संतुलित रहेगा। किसी राजनीतिक या विवादित माहौल से दूरी बनाए रखना आपके लिए बेहतर रहेगा।

कुंभ- आज स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी होगा। खान-पान में लापरवाही करने से छोटी-मोटी परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आप पूरे जोश और उत्साह के साथ काम करेंगे, लेकिन एक साथ कई जिम्मेदारियां मिलने से थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है। व्यापार में विरोधियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें।

मीन- आज काम का दबाव थोड़ा अधिक रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत और आत्मविश्वास आपको हर चुनौती से पार ले जाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी, जिससे मनोबल और बढ़ेगा। मां की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

शब्दजाल - 8350

शब्द जाल में अरुणा इरानी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	अ	मे	जि	मि	ल	न	का	र	प	श
न	का	क	ग	इं	डो	ने	ग	ति	मा	म
अ	दा	र	री	मा	ग	ब	द	ह	प	शी
जी	ग	ल	दो	भा	न	स	च	ह	लि	र
त	अ	अ	स्त	न	ई	मे	ह	प	न	दे
अ	नो	खी	रा	त	प	भा	त	ह	न	बां
ह	मा	ल	मा	व	मे	ला	ई	मा	न	ग
सा	न	भा	र	न	प	रे	रा	ल	वि	ला
न	न	बा	आ	ग	का	र	दो	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स्र	स्त	प	श
ब	र	ब	ड़ी	दी	दी	स	त्ता	प	र	र

अनोखी रात, बड़ी दीदी, मेरे दोस्त, मिलन, शमशीर, आग, भाई भाई, बचपन, अहसान, जिगरी दोस्त

शब्दजाल - 8349 का हल

मे	म	सा	ब	सी	ब	से	ज	ग	ल	व
म	रे	ली	प्रे	शा	न	स	व	ज	कां	ड़
स	मे	हु	बा	दी	छ	मि	आ	क	ब	क
इं	नौ	ब	जु	बा	वा	स	थ	ह	ष	रा
डि	आ	शि	का	र	चा	न	सा	न	भ	जा
या	ल	मि	र	रा	क	ब	ती	ण	घ	रा
द	सिं	प	ल	छ	वा	र	स	बा	व	नी
ह	ह	ऊ	ई	न	ब	क	फ	चो	श	क
म	म	तु	ला	र	की	स	या	औ	र	आ
दो	गॉ	ल	प	लि	जी	रा	भ	म	प	द
नों	ड	क	र्क	य	क	र	त	सं	ता	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	सिंह में
मंगल	मिथुन में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	05.53 बजे से
कन्या	08.05 बजे से
तुला	10.15 बजे से
वृश्चिक	12.30 ब.से
धनु	14.46 बजे से
मकर	16.51 बजे से
कुंभ	18.38 बजे से
मीन	20.11 बजे से
मेष	21.41 बजे से
वृष	23.21 बजे से
मिथुन	01.19 बजे से
कर्क	03.33 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 226 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 18.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 03.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** परिघ 09.29 बजे को समाप्त। **करण** बालव 07.41 बजे तदनन्तर कौलव 18.47 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 25' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872801 **जूलियन दिन** 2461266.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 30 **विशेष** चन्द्रदर्शन, सिंधारा दोज, विभाजन विभीषिका एवं सिंधु स्मृति दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: भिक्षु और नर्तकी

किसी नगर में एक भिक्षु आया। वह भजन गाता हुआ अपनी धुन में चला जा रहा था। तभी नगर की सबसे सुंदर नर्तकी ने उसे देखा। वह उस पर मोहित हो गई। वह दौड़कर उसके पास पहुंची। उसने उसे अपने घर आने का निमंत्रण दिया। भिक्षु ने कहा, 'जरूर आऊंगा, पर अभी नहीं। अभी तुम समर्थ हो, तुम्हारे पास सब कुछ है। तुम्हें मेरी जरूरत नहीं है। लेकिन इतना भरोसा रखना कि जिस दिन तुम्हें मेरी आवश्यकता होगी, उस दिन मैं तुम्हारे पास जरूर आऊंगा।' यह सुनकर नर्तकी नाराज हो गई। पहली बार किसी ने उसकी बात को नकारा था। उसने कहा, 'यह कहकर तुमने मेरा अपमान किया है। मेरे हजारों चाहने वाले हैं। मुझे तुम्हारी जरूरत कभी नहीं पड़ेगी।' भिक्षु मुस्कराकर वहां से चला गया। बीस साल गुजर गए। नर्तकी का धन और यौवन दोनों खत्म हो गया। उसे कोढ़ हो गया। उसका शरीर गलने लगा। लोगों ने उसे शहर से बाहर निकाल दिया। एक दिन वह भूखी - प्यासी एक पेड़ के पास बैठी अपनी किस्मत को कोस रही थी कि अचानक किसी ने उसके सामने ठंडे जल से भरा बर्तन रख दिया। पानी पीकर उसके जाते प्राण लौट आए। नर्तकी ने पूछा, 'तुम कौन हो ?' उस व्यक्ति ने जवाब दिया, 'मैं वही भिक्षु हूं , जिसे तुमने बीस साल पहले अपने घर आने का निमंत्रण दिया था। उस समय तुम्हें मेरी जरूरत नहीं थी। लेकिन आज जब कोई तुम्हें पहचानने को तैयार नहीं है, मैं तुम्हें पहचानता हूं।' नर्तकी को अपनी भूल का अहसास हो गया। उसने भिक्षु से हाथ जोड़कर क्षमा मांगी।

फिल्म वर्ग पहेली - 7294

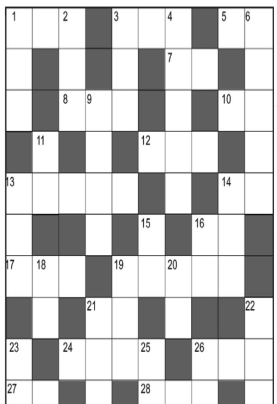

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-३
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोनी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकुमार, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लाडो' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7293

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7603

★★★☆☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7602 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 8818

बाएँ से दाएँ

1.प्रार्थना,खुशामद-4
4.श्मशान,शवदाहगृह-4
6.भ्रमर,चक्र-3
8.कामदेव,सुंदर-3
9.चांदी-3
11.सितारा-2
13.राजकुमार,मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15.हालात,तबियत-2
16.फिजूल,व्यर्थ-3
18.डिपो-3
19.गमन,विदा-3
20.झगड़ा,अनबन-4
22.लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1.आलता,माहुर-4
2.घाटा,नुकसान-2
3.कमल,जलज-3
4.अभिप्राय,चाह-5
5.टकर,मुठभेड़-4
7.रात्रि,निशा-3
10.जरूरतमंद-5
12.हाथी साधने वाला-4
14.तरंग,हिलोर-3
17.कसरत,परेड-4
18.विश्राम,राहत-3
21.मार्ग,पथ-2

शब्द पहेली -8817 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी में निकली भव्य तिरंगा शोभायात्रा, राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा शहर

मां किरनाई मंदिर से शुरू हुई यात्रा, सुभाष चौक पर हुआ भव्य समापन; भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से गूंजा लांजी

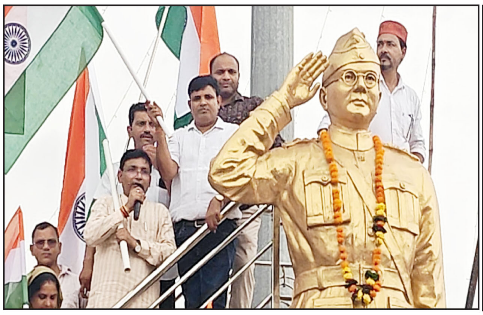

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान, राष्ट्रभक्ति की भावना और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में भव्य तिरंगा शोभायात्रा निकाली गई। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन तथा विधायक राजकुमार कर्राहे के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में क्षेत्र के नागरिकों ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। भव्य तिरंगा शोभायात्रा का शुभारंभ किरनापुर के मां किरनाई मंदिर से हुआ। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बड़ी संख्या में युवा, मातृशक्ति, वरिष्ठजन, कार्यकर्ता एवं देशप्रेमी नागरिक यात्रा में शामिल हुए। जैसे-जैसे यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से आगे बढ़ी, लोगों की संख्या बढ़ती गई और पूरा शहर तिरंगे के रंग में रंगता नजर आया। यात्रा के दौरान लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति के गीतों और नारों के साथ अपनी सहभागिता दर्ज कराई। 卐भारत माता की जय卐 और वंदे मातरम् के गगनभेदी जयघोषों से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। तिरंगा यात्रा में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता देखने को मिली। बुजुर्गों से लेकर युवाओं और मातृशक्ति तक सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर आयोजन को जनभागीदारी का स्वरूप प्रदान किया।

युवाओं को राष्ट्रभक्ति से जोड़ने का संदेश

तिरंगा शोभायात्रा के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के साथ देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपने दायित्वों का संदेश दिया गया। आयोजन में विशेष रूप से युवाओं और नई पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम, देशसेवा और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने पर जोर दिया गया। यात्रा में शामिल नागरिकों ने तिरंगे को नमन करते हुए देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प भी व्यक्त किया। पूरे मार्ग में लोगों में तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

सुभाष चौक पर हुआ भव्य समापन

तिरंगा शोभायात्रा दादा कोटेश्वरनाथ की नगरी लांजी के सुभाष चौक पहुंची, जहां इसका भव्य समापन हुआ। यहां राष्ट्रध्वज को नमन किया गया और देश की एकता, अखंडता एवं गौरव को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस दौरान एक बार फिर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। आयोजन में क्षेत्र के सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, मातृशक्ति, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में देशप्रेमी नागरिकों की उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान नगर में उत्साह, उमंग और राष्ट्रभक्ति का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के अंत में विधायक राजकुमार कर्राहे एवं आयोजनकर्ताओं ने तिरंगा शोभायात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने वाले आयोजनों में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता देश की एकता और अखंडता को और मजबूती प्रदान करती है।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज में मनाया गया 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान

तिरंगा रैली निकालकर दिया राष्ट्रप्रेम और स्वच्छता का संदेश, तिरंगा रंगोली व राखी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासन के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता—स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान के तहत श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, लांजी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 13 अगस्त 2026 को महाविद्यालय के

छात्र-छात्राओं, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों एवं स्टाफ द्वारा तिरंगा रैली निकालकर नगरवासियों को राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और स्वच्छता का संदेश दिया गया। तिरंगा रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, बस स्टैंड एवं नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर पहुंची, जहां रैली का समापन किया गया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'हर घर तिरंगा' जैसे ओजपूर्ण नारों से पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

तिरंगा रंगोली और राखी प्रतियोगिता का आयोजन

कार्यक्रम की श्रृंखला में महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए तिरंगा रंगोली एवं तिरंगा राखी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए तिरंगे के तीनों रंगों और राष्ट्रीय प्रतीकों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, रचनात्मकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय परिसर में बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय परिवार ने अभियान के माध्यम से राष्ट्रप्रेम के साथ-साथ स्वच्छ और सुंदर समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं तथा समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरे आयोजन के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

ग्रामीण बच्चों की शिक्षा और किसानों की उन्नति का बना माध्यम, अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ

बिनोरा में अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी किरनापुर क्षेत्र के ग्राम बिनोरा में अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ कार्यक्रम सावन माह के पावन अवसर पर ग्राम बिनोरा में बाजार चौक में 12अगस्त से 13 अगस्त स्थानीय नागरिकों एवं ग्राम समितियों और अभिनंदन लाइफ़ फाउंडेशन के सहयोग से अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर धर्म, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्वास्थ शिविर एवं मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर

कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर बाहेकर हॉस्पिटल गोंदिया एवं मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। नेत्र जांच शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई और मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जैविक खेती करे अपने परिवार के लिए

इस दौरान किसानों को जैविक खेती के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन के विभिन्न तरीकों की भी जानकारी दी गई।

पर्यावरण ही हमारा जीवन है पेड़ पौधा लगाओ

पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान चलाया गया। ग्रामीणों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण को शुद्ध नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य भी तैयार करते हैं।

निरंतर प्रयास से ही शिक्षा में सफलता मिलेगी

ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष सत्र आयोजित किया गया। बच्चों और अभिभावकों को शिक्षा के महत्व, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी गई।

हवन यज्ञ मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न

कार्यक्रम के समापन अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुए हवन-यज्ञ में ग्रामीणों ने परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

धर्म और स्वास्थ शिक्षा पर्यावरण का संगम

अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ के माध्यम से ग्राम बिनोरा में धर्म, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संस्कृति बोध परियोजना संगोष्ठी में भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति जागरूकता का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 13 अगस्त 2026 को संस्कृति बोध परियोजना संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, संस्कारों एवं जीवन मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश दुबे, क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना अभियान प्रमुख, विद्या भारती मध्य क्षेत्र, मनोज पुरी गोस्वामी, विभाग समन्वयक एवं प्रांतीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख, विजय रामटेक्कर, सचिव एवं संघ चालक, योगेंद्र दहिकर, खंड कार्यवाह लांजी तथा विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं मां भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात वाणी वंदना हुई और अतिथियों का परिचय कर स्वागत किया गया। कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति की ओर से राकेश दुबे एवं मनोज पुरी गोस्वामी का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वंदना सत्र के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राकेश दुबे ने भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की रुचि, पसंदीदा गतिविधियों एवं उनके अनुभवों के संबंध में संवाद करते हुए भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने के साथ-साथ अपने पड़ोस, मित्रों एवं अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी इस परीक्षा में शामिल कराने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में मनोज पुरी गोस्वामी ने कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कारों एवं जीवन मूल्यों से संबंधित ज्ञान अर्जित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति जागरूक रहने और उन्हें अपने व्यवहार एवं जीवन में अपनाने का आह्वान किया। संगोष्ठी के दौरान अतिथियों ने पालकों, पूर्व छात्रों, समिति सदस्यों एवं आचार्य परिवार को भी संस्कृति बोध परियोजना तथा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में विद्यालय के साथ-साथ परिवार और समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने मुख्य अतिथि, समिति सदस्यों, पूर्व छात्रों, पालकगण, आचार्य परिवार एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अतिथियों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन से विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों में भारतीय संस्कृति के प्रति नई प्रेरणा और जागरूकता का संचार हुआ है। संगोष्ठी में विद्यालय परिवार, समिति सदस्य, पालकगण, पूर्व छात्र एवं बड़ी संख्या में भैया-बहन उपस्थित रहे।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा एवं कलश रैली आज

पद्मेश न्यूज। लांजी। पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति संवर्धन और हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में स्पोर्ट एंड स्काउट्स गाइड्स ऑर्गनाइजेशन लांजी द्वारा नवांकुर सखी हरियाली यात्रा एवं कलश रैली का आयोजन आज 14 अगस्त 2026, को किया जा रहा है । यात्रा को लेकर क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की जा चुकी हैं। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माताओं-बहनों एवं समाज के सहयोग से बड़े पैमाने पर पौधारोपण को बढ़ावा देना, अंकुरित पौधों का वितरण करना तथा भावी पीढ़ी के लिए हरित एवं सुरक्षित पर्यावरण का निर्माण करना है। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनसंवाद एवं संकल्प भी दिलाया जाएगा। कार्यक्रम में भव्य कलश यात्रा एवं तिरंगा रैली, निःशुल्क अंकुरित पौधों एवं बीजों का वितरण तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता प्रमुख आकर्षण रहेंगे। आयोजन में नागरिकों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद लांजी के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर संतोष मोरघडे करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. गौतम कठाने, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय लांजी एवं समाजसेवी श्यामलाल पांडे उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम आज 14 अगस्त को सुबह 11 बजे नगर परिषद लांजी से प्रारंभ होकर गायत्री मंदिर में संवाद एवं समापन के साथ संपन्न होगा। आयोजकों ने समस्त ग्राम एवं नगर विकास समितियों, बीएलएसएस, एम.एस.एस. समूह, गायत्री मंदिर ट्रस्ट, नगर परिषद लांजी सहित आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को सफल बनाने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य तैयार करने का संकल्प है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कलेक्टर कुमार सत्यम ने बैगा बाहुल्य गांवों का किया भ्रमण

घर-घर स्वास्थ्य सर्वे का लिया जायजा, ग्रामीणों से स्वच्छता और समय पर उपचार कराने की अपील

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम ने 13 अगस्त को बिरसा विकासखंड के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बाहुल्य ग्राम घुम्मुर, कुंडेकसा, कोरका, बोंदारी, मछुरदा, धर्मशाला एवं गठिया का भ्रमण किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा घर-घर जाकर किए जा रहे स्वास्थ्य सर्वे एवं स्क्रीनिंग कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर बीमारी की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य कार्यकर्ता से जांच कराने और आवश्यकता होने पर अस्पताल में उपचार कराने की समझाइश दी।

कलेक्टर श्री सत्यम ने ग्राम कुंडेकसा में बीमार लोगों के उपचार के लिए बनाए गए अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने अस्थायी अस्पताल में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों से चर्चा कर उपचार व्यवस्था की जानकारी ली।

बीमारी का उपचार अस्पताल में ही संभव

ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, व्यक्तिगत साफ-सफाई एवं खान-पान में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गांव में किसी व्यक्ति के बीमार होने पर उसकी स्वास्थ्य कार्यकर्ता से जांच कराई जाए और आवश्यकता होने पर उसे अस्पताल ले जाया जाए। उन्होंने ग्रामीणों को समझाइश दी कि बीमारी का उचित उपचार चिकित्सकीय जांच और दवाओं से ही संभव है। समय पर उपचार नहीं कराने से मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है।

कलेक्टर श्री सत्यम ने भ्रमण के दौरान ग्राम घुम्मुर के दो तथा ग्राम गठिया के दो बच्चों को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराने के लिए रवाना करवाया। उन्होंने बच्चों के परिजनों से चर्चा कर उन्हें आश्वस्त किया कि अस्पताल में बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

छात्रावास में पानी की टंकी की नियमित सफाई के निर्देश

कलेक्टर ने ग्राम मछुरदा में छात्रावास का निरीक्षण कर वहां रह रहे बच्चों से चर्चा की और उनकी समस्याओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास की पानी की टंकी की सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पानी की टंकी की नियमित अंतराल पर अनिवार्य रूप से सफाई कराई जाए, ताकि बच्चों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को हैंडपंपों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा हैंडपंपों के पानी का क्लोरीनेशन कराने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों के पोषण स्तर एवं स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष ध्यान देने तथा आंगनवाड़ी सेवाओं को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

घर-घर स्क्रीनिंग कर बीमारों को उपलब्ध कराया जा रहा उपचार

स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम कुंडेकसा, बोंदारी, कोरका, गठिया, धर्मशाला एवं घुम्मुर में बच्चों में संक्रामक बीमारी की रोकथाम के लिए घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है। स्क्रीनिंग के दौरान बीमार पाए जाने वाले बच्चों एवं ग्रामीणों को उपचार के लिए कुंडेकसा में बनाए गए अस्थायी अस्पताल लाया जा रहा है। उपचार के बाद स्वस्थ होने पर उन्हें वापस घर तक पहुंचाया जा रहा है, जबकि गंभीर स्थिति वाले बच्चों को बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर किया जा रहा है।

कुंडेकसा स्थित अस्थायी अस्पताल में ग्राम पंचायत अडोरी के सरपंच परसराम धुर्वे एवं सचिव द्वारा उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। यहां उपचार के लिए आने वाले लोगों को नियमित रूप से भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

भ्रमण के दौरान बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उईके, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र सुन्द्रियाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, बिरसा बीएमओ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

17 अगस्त को राष्ट्रव्यापी श्रमिक आंदोलन

पदमेश न्यूज (बालाघाट)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की केंद्रीय कार्यसमिति ने 17 अगस्त को देशभर में श्रमिकों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन करने का निर्णय लिया है। संगठन ने अपनी 12 सूत्रीय मांगों को लेकर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करने का आह्वान किया है।जिसकी तैयारियां भी जिला स्तर पर शुरू कर दी गई है।भारतीय मजदूर संघ के अनुसार आंदोलन के दौरान श्रमिकों, कर्मचारियों और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। संगठन ने न्यूनतम वेतन, ईएसआई, ईपीएफ सहित श्रमिक कल्याण से जुड़े प्रावधानों में सुधार की मांग की है।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर होंगा आंदोलन

बीएमएस की प्रमुख मांगों में ईपीएस-95 के तहत न्यूनतम पेंशन बढ़ाकर 7,500 रुपये करने, ईपीएफ में सुधार तथा श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करने जैसी मांगें शामिल हैं। इसके साथ ही श्रमिकों के लिए बेहतर रोजगार, कार्य परिस्थितियों और कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग भी उठाई गई है।संगठन ने श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया है। बीएमएस ने श्रमिक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

देशभर में होंगे आंदोलन

भारतीय मजदूर संघ ने अपने सभी संबद्ध संगठनों और श्रमिकों से 17 अगस्त के आंदोलन में भागीदारी का आह्वान किया है। संगठन का कहना है कि श्रमिकों की लंबित मांगों को सरकार तक मजबूती से पहुंचाने के लिए राष्ट्रव्यापी स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।बालाघाट सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी बीएमएस से जुड़े श्रमिक संगठनों द्वारा आंदोलन की तैयारियां कि जा रही है।

उपसंचालक डॉ. परते को उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाओ का प्रभार

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशु चिकित्सक डॉ. घनश्याम परते को उपसंचालक के पद पर पदोन्नत कर बालाघाट में पदस्थ किया गया है। डॉ. परते अब उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा बालाघाट का कार्यभार संभालेंगे।

वीर शहीदों की याद में भाजपा ने निकाली तिरंगा रैली

भारत माता के जयघोष से गूंजा बैहर, अमर शहीदों के बलिदान को किया नमन

पदमेश न्यूज़। बैहर। देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों की स्मृति और उनके बलिदान को नमन करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी मंडल बैहर के कार्यकर्ताओं द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान पूरा मार्ग भारत माता की जय, वंदे मातरम् और अमर शहीदों की जय के नारों से गूंजता रहा।

तिरंगा रैली की शुरुआत भाटिया पेट्रोल पंप से हुई। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी चौक, बस स्टैंड एवं रानी दुर्गावती चौक पहुंची और पुनः प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा सुरेंद्र गुड्डा मरकाम के निवास स्थान पर पहुंचकर सभा में परिवर्तित हुई। कार्यकर्ताओं के हाथों में तिरंगे झंडे थे और वे देशभक्ति के नारों के साथ वीर शहीदों को याद कर रहे थे।

शहीदों के बलिदान को याद रखना हमारा दायित्व - मरकाम

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा सुरेंद्र गुड्डा मरकाम ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अनेक वीरों ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। अनेक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी और शहीद भी रहे, जिनके योगदान को इतिहास के पन्नों में अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। ऐसे वीरों को याद करना और उनके बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वतंत्रता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति और वीर शहीदों के त्याग को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

वक्ताओं ने जगाई राष्ट्रभक्ति की भावना

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त पंचायत निरीक्षक देवानंद भालेकर ने वीर शहीदों की स्मृति में देशभक्ति से ओतप्रोत दो शेर प्रस्तुत किए। इसके बाद प्रमोद नेमा ने अमर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि देशभक्ति और राष्ट्र भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से ऐसे आयोजनों का विशेष महत्व है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष संकेत राठौर ने भी स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि आजादी हमें अनेक वीरों के संघर्ष और बलिदान के बाद मिली है। इसलिए देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को हमेशा याद रखना चाहिए।

विभाजन की पीड़ा सुनाते हुए भावुक हुए सुनील बधावन

कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुनील बधावन ने भारत विभाजन के समय अपने परिवार द्वारा झेली गई परिस्थितियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि देश के विभाजन के समय उनके पिता और दादा-दादी लाहौर में रहते थे। विभाजन के बाद उनके परिवार पर भी कठिन परिस्थितियां आईं।

उन्होंने बताया कि उनके दादा-दादी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिवार को अपना मकान, जमीन और खेत छोड़कर भारत आना पड़ा। उन्होंने कहा कि विभाजन के दौरान चारों ओर भय और हिंसा का वातावरण था। परिवार अपने साथ केवल आवश्यक कपड़े लेकर किसी तरह भारत पहुंचा और बाद में बैहर में आकर बस गया।बधावन ने कहा कि विभाजन की पीड़ा और उस दौर में लाखों लोगों द्वारा झेली गई कठिनाइयों को नई पीढ़ी को जानना चाहिए, ताकि देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे का महत्व समझा जा सके।

14 अगस्त को निकलेगी मौन रैली

मंडल अध्यक्ष संकेत राठौर ने बताया कि 14 अगस्त को शाम 6 बजे जय स्तंभ चौक से मौन रैली निकाली जाएगी। रैली गांधी चौक होते हुए पुनः जय स्तंभ चौक पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं और नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा सुरेंद्र गुड्डा मरकाम, श्रीमती संध्या परते, कीर्ति, श्रीमती राजकुमारी श्रीवास्तरी शुक्ला, मनोनीत पार्षद, पार्षद श्रीमती हमीदिया बेगम, शकील अख्तर, अकबर खान, रमेश, अजीत सेवा निर्व, शिक्षक बाबूलाल टेकाम, श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद नेमा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुनील बधावन, पार्षद शिवराम रामटेके, पार्षद गणेश खैरवार, पूर्व पार्षद नीरू मेरावी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भाजपा मंडल अध्यक्ष संकेत राठौर के आभार एवं संबोधन के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में मनाया गया पुस्तकालय दिवस

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में 12 अगस्त 2026 को भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन की जयंती के अवसर पर पुस्तकालय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में ग्रंथालय विभाग द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के ग्रंथालय में भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में छात्राओं ने विभिन्न विषयों से जुड़ी पुस्तकों का अवलोकन किया और भारतीय ज्ञान, संस्कृति एवं साहित्य से संबंधित पुस्तकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए ग्रंथालय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने तथा अध्ययन के लिए पुस्तकों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अनुश्रुति सेंडीमन, श्रीमती सीमा मिश्रा, डॉ. सरोज घोड़ेश्वर, सहायक प्राध्यापक सुश्री प्रीति उइके, श्रीमती पुष्पा मेरावी, सुश्री रुचिका धुर्वे, प्रियंक चौबे, सुनील कुमार राणा, ग्रंथपाल डॉ. ईश्वर राहंगडाले, श्रीमती सुषमा बघेल एवं श्रीमती सुमन यादव सहित महाविद्यालय की लगभग 80 छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पठन-पाठन की रुचि बढ़ाने, पुस्तकालय के नियमित उपयोग के प्रति जागरूकता पैदा करने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराना रहा। आयोजन के दौरान छात्राओं में पुस्तकों के प्रति उत्साह और अध्ययन के प्रति रुचि देखने को मिली।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले शत्रुघ्न असाटी होंगे सम्मानित

राहवीर योजना के तहत प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर किया जाएगा सम्मानित

पद्मेश न्यूज़। लामता। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय रहते अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लामता निवासी शत्रुघ्न असाटी को उनके सराहनीय एवं मानवीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा उन्हें राहवीर योजना के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 जून 2026 को सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। दुर्घटना के बाद शत्रुघ्न असाटी ने बिना समय गंवाए घायल व्यक्ति की मदद की और उसे उपचार के लिए गोल्डन ऑवर के दौरान नजदीकी अस्पताल/ट्रॉमा सेंटर पहुंचाने में सहयोग किया। उनकी तत्परता के कारण घायल व्यक्ति को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सकी।

सड़क दुर्घटना के बाद शुरुआती एक घंटे को 'गोल्डन ऑवर' माना जाता है। इस दौरान घायल व्यक्ति को शीघ्र चिकित्सा सुविधा मिलना उसके जीवन को बचाने में बेहद महत्वपूर्ण होता है। शत्रुघ्न असाटी द्वारा इस जिम्मेदारी को समझते हुए तत्काल मदद करना समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।

राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की तत्काल सहायता कर उसे अस्पताल पहुंचाने वाले गुड समेरिटन को प्रोत्साहित किया जाता है। इसी क्रम में शत्रुघ्न असाटी के मानवीय एवं सराहनीय कार्य को देखते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

शत्रुघ्न असाटी की इस पहल से आम नागरिकों को भी सड़क दुर्घटना के समय घायलों की मदद के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलेगी। समय पर की गई छोटी-सी मदद किसी घायल व्यक्ति के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकती है।

महिला समूह ,छात्र-छात्राओं ओर लामता पंचायत ने निकाली तिरंगा रैली, 'हर घर तिरंगा' का दिया संदेश

पदमेश न्यूज़। लामता। लामता नारी शक्ति समूह की महिलाएं ,ग्राम पंचायत के सरपंच,सचिव, पंच गण एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से तिरंगा रैली निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर निकले विद्यार्थियों ने नगर में देशभक्ति के नारे लगाते हुए नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के प्रति जागरूक किया। रैली में छात्र-छात्राओं ने हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा का नारा लगाते हुए ग्रामीण नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। विद्यार्थियों की देशभक्ति से ओत-प्रोत रैली ने नगरवासियों का ध्यान आकर्षित किया। रैली ग्राम पंचायत लामता परिसर से प्रारंभ हुई। विद्यार्थी अनुशासनबद्ध तरीके से हाथों में तिरंगा लेकर लामता नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस ग्राम पंचायत में रैली का समापन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के साथ ही तिरंगे के प्रति सम्मान बनाए रखने का संदेश दिया। इस तिरंगा रैली में मुख्यतः जिला पंचायत सदस्य,हुलासमल कोचर सरपंच लामता, आशीष रहांगडाले सचिव,शरद जायसवाल सह.सचिव,ग्राम पंचायत के पंच गण, स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाएं मौजूद रही।

तिरंगे के रंगों से सजी महाविद्यालय की दीवारें, विद्यार्थियों ने दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में हर घर तिरंगा-घर घर तिरंगा अभियान के तहत 13 अगस्त 2026 को दीवारों एवं बोर्ड पर तिरंगा प्रेरित कला सजावट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे के रंगों से सजाकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के स्टॉफ सहित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने तिरंगे के रंगों को अपनी कलाकृतियों में शामिल करते हुए दीवारों पर आकर्षक चित्र बनाए तथा देशभक्ति से जुड़े नारों का लेखन किया। इससे महाविद्यालय परिसर का वातावरण राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एसएसपी महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रतियोगिताएं आयोजित

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। शासकीय शंकरसाव पटेल महाविद्यालय में गुरुवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत दीवार एवं बोर्ड सजावट, रंगोली, मेहंदी एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह अभियान मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार ९ अगस्त से १७ अगस्त २०२६ तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ.रक्षा निकोसे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम प्रभारी नेहा मर्सकोले तथा कार्यक्रम सदस्य नंदिनी टेंभरे,श्रीमती शिल्पा वासनिक एवं श्रीमती विनिता देशमुख के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम प्रभारी सुश्री नेहा मर्सकोले ने हर घर तिरंगा अभियान में प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को भारतीय तिरंगे के महत्व और राष्ट्रीय गौरव के बारे में जानकारी दी। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के ४५ छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मुस्कान सोनी, द्वितीय स्थान सोनल अली एवं रितु कोटेकर तथा तृतीय स्थान दामिनी नागेश्वर एवं मिताली पटले ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिया केवट, द्वितीय स्थान सीया परते एवं देवेश्वरी पारधी तथा तृतीय स्थान मुस्कान भोरे एवं रश्मि बिरवार ने हासिल किया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपमाला अवधिया, द्वितीय स्थान डिंपल वर्मा एवं तृतीय स्थान इशा चौधरी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ.रक्षा निकोसे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सरिता कोल्हेकर , डॉ.तृप्ती सोनवे, कार्यक्रम संयोजक कृष्णा पराते एवं श्रीमती रोहिणी देवी पटले सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रदर्शित किया।

पीएसजी ने लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप जीतकर बनाया रिकार्ड, एस्टन विला को 2-1 से हराया

साल्जबर्ग । फ्रांसीसी फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप जीतकर एक नया रिकार्ड बनाया है। पीएसजी ने यहां खेले गए रोमांचक मुकाबले में यूरोपा लीग विजेता एस्टन विला को 2-1 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। पीएसजी और एस्टन के बीच मैच बेहद संघर्षपूर्ण रहा।

मैच का पहला गोल पीएसजी के स्टार फॉरवर्ड ख्विचा क्वारात्शेलिया ने किया। क्वारात्शेलिया के लगाये शॉट को एस्टन विला के गोलकीपर मार्को बिजोट रोक नहीं पाये। इस गोल से पीएसजी को 1-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद एस्टन ने भी वापसी के प्रयास शुरु कर दिये।

उसकी ओर से 17 वर्षीय युवा ब्रायन मैडजो ने जबरदस्मत प्रदर्शन किया और वह पीएसजी पर हमले करते रहे। मेडजो ने विला की ओर से मैच का एकमात्र गोल किया। इस गोल के साथ ही मेडजो यूईएफए सुपर कप इतिहास में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

वहीं खेल के 61वें मिनट में पीएसजी ने एक और गोल दागकर अपनी बढ़त 2-1 कर दी किया। उसकी ओर से ये गोल स्थानापन्न खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले के दिये एक पास पर डिजायर डोए ने दागा। इस गोल के बाद एस्टन ने बराबरी के लिए टैमी अब्राहम और रॉस बार्कले जैसे खिलाड़ियों को मैदान में उतारा पर पीएसजी की रक्षापंक्ति ने उन्हें कोई अवसर नहीं दिया। पीएसजी ने अपनी 2-1 की बढ़त को अंत तक बनाए रखते हुए मुकाबला जीता लिया। और शानदार जीत दर्ज की।

जीत के बाद पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने अपनी टीम की सराहना करते हुए कहा, हमें पहले से पता था कि यह मैच कठिन रहेगा। मेरे खिलाड़ियों ने दिखाया कि वे क्या कर सकते हैं।

यह जीत पीएसजी के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उनके इतिहास का दूसरा यूईएफए सुपर कप खिताब था, और लगातार दो बार इसे जीतकर उन्होंने एक खास रिकॉर्ड बनाया है। गौरतलब है कि अब पीएसजी तीसरा ऐसा क्लब बन गया है जिसने लगातार दो बार यूईएफए सुपर कप जीता है। इससे पहले यह उपलब्धि केवल एसी मिलान ने साल 1989, 1990 और रियल मैड्रिड सीएफ ने 2016, 2017 में हासिल की थी। इस जीत ने यूरोपीय फुटबॉल में पीएसजी की बढ़ती ताकत का अंदाजा होत है।

जोडार को हराकर कैनेडियन ओपन के फाइनल में पहुंचें नाकाशिमा

मॉन्ट्रियल। अमेरिका के ब्रैंडन नाकाशिमा यहां खेले जा रहे कैनेडियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गये हैं। नाकाशिमा ने पुरुष एकल सेमीफाइनल में स्पेन के 19 साल के उभरते हुए खिलाड़ी राफेल जोडार को 7-6 (3), 6-4 से हराकर पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनायी। इस जीत के साथ नाकाशिमा अपने करियर के पहले खिताब के करीब पहुंच गये हैं।

वहीं इस हार से जोडार के सबसे कम उम्र में खिताब जीतने की उम्मीदें टूट गयीं। दोने ही खिलाड़ियों के बीच मुकाबला बेहद कठिन रहा। शुरुआती सेट में हर अंक के लिए संघर्ष हुआ।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ी अपनी सर्विस पर मजबूत बने रहे, जिससे यह टाई-ब्रेक तक पहुंच गये। नाकाशिमा ने जोडार के शुरुआती दो सर्विस गेम में छह ब्रेक अंक हासिल किए थे पर वह उनका लाभ नहीं उठा पाये। वहीं, जोडार को भी 4-4 के स्कोर पर नाकाशिमा की सर्विस पर अपना एकमात्र मौका मिला, जब वह 0-30 से आगे थे, पर नाकाशिमा ने यह संकट टाल दिया। टाई-ब्रेक में, जोडार के फोरहैंड से नेट में हुई गलती ने नाकाशिमा को 2-4 पर पहला मिनी-ब्रेक दिया, जिसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने बढ़त बनाए रखते हुए पहला सेट अपने नाम कर लिया।

वहीं दूसरे सेट की शुरुआत में, नाकाशिमा ने जोडार की दूसरी सर्विस पर आक्रमण किया और तुरंत एक ब्रेक हासिल कर 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरे सेट के निर्णायक मोड़ पर, जब नाकाशिमा 5-4 पर सर्विस कर रहे थे, उन्होंने चार ब्रेक अंक बचाकर मैच को और भी कड़ा बना दिया। इसके बाद भी मुकाबला रोमांचक बना रहा जब जोडार ने 3-5 के स्कोर पर दो मैच अंक बचा लिए। पूरे मैच में, नाकाशिमा ने 28 विनर्स लगाए और 28 अनफोर्स्ड एरर्स किए, उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया जिससे उन्हें जीत मिली। 25 वर्षीय नाकाशिमा अभी एटीपी लाइव रैंकिंग में 22वें नंबर पर हैं।

अफगानिस्तान ने चौथे एकदिवसीय में आयरलैंड को 42 रनों से हराया

बेलफास्ट । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में आयरलैंड को 42 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। अफगान टीम ने चौथे एकदिवसीय मैच में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर मुकाबला जीता। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने सलामी बल्लेबाज सादिकुल्लाह अटल के 143 रन और इब्राहिम जादरान के 100 रनों की सहायता से निर्धारित 50 ओवरों में 343 रन बनाये। वहीं इसके बाद 344 रनों के बड़े लक्ष्य का लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम 301 रन ही बना पायी। उसकी ओर से कप्तान एंडी बालबर्नी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 109 रन बनाए पर अन्य बल्लेबाजों का उन्हें सहयोग नहीं मिला।

शुभमन बन सकते हैं डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय

गॉल । भारतीय क्रिकेट टीम 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच के लिए मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की नजरें इस सीरीज में जीत हासिल करने पर रहेंगी। इसका कारण ये है कि ये सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। शुभमन के पास इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का अवसर है। शुभमन ने अब तक डब्ल्यूटीसी में खेले 40 टेस्ट मैचों में 2843 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शानदार शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। यदि वह श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट मैच में 157 रन और बना देते हैं तो वह इसमें 3000 रन का आंकड़ा हासिल करने वाले एक विशेष क्लब का हिस्सा बन जाएंगे। इसके अलावा वह डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बन जाएंगे। अभी वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। डब्ल्यूटीसी में भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो शुभमन के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और दिग्गज रोहित शर्मा का नाम आता है। ऋषभ ने अपने 40 टेस्ट मैचों की 71 पारियों में 2780 रन बनाए हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 40 मैचों में 2,716 रन का योगदान दिया है। इसमें सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट के नाम है। रुट ने अब तक 77 मैचों में 6651 रन बनाये हैं। शुभमन इसके अलावा वह एक और अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर सकते हैं। वह डब्ल्यूटीसी के एक संस्करण में बतौर भारतीय कप्तान 1,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। मौजूदा 2025-27 संस्करण में, गिल ने भारत के कप्तान के तौर पर 8 मैचों में अब तक 950 रन बनाए हैं। इसका मतलब है कि उन्हें इस अनोखे रिकार्ड तक पहुंचने के लिए केवल 50 रन और चाहिए।

क्रिकेटर तनुष कोटियान सहित 97 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आयकर विभाग में नौकरी मिली

मुम्बई । भारतीय टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर गये स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर तनुष कोटियान सहित 97 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल कोटे के तहत सरकारी नौकरी मिली है।

आयकर विभाग ने इन खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र भेजे हैं। ने हाल ही में 97 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी प्रदान की है। तनुष अभी भारतीय क्रिकेट टीम के साथ नेट गेंदबाज के तौर पर गये हैं। यह नियुक्ति खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा और करियर स्थिरता प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है जिससे वे अपने करियर पर अधिक समर्पण से ध्यान दे पायेंगे।

आयकर विभाग द्वारा घोषित इन 97 पदों के लिए कुल 3,595 आवेदन प्राप्त हुए थे, जो इन नौकरियों के प्रति खिलाड़ियों की उत्सुकता और प्रतिस्पर्धा के स्तर को दर्शाता है। विभाग ने सभी आवेदनों की गहन जांच और मूल्यांकन के बाद ही योग्य प्रतिभाओं का चयन किया है।

आयकर विभाग, मुंबई ने खेल कोटे के तहत खिलाड़ियों को नियुक्त करके सार्वजनिक सेवा में खेल उत्कृष्टता को सम्मान देने और उच्चस्तरीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

तनुष कोटियान के अलावा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी तेजल हसबनीस को भी इस नियुक्ति के माध्यम से सरकारी सेवा में आने का अवसर मिला है। चयनित खिलाड़ियों में योगासन खिलाड़ी अभिषेक भी शामिल हैं, जिन्होंने जून में अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। इसके अतिरिक्त, पैरा निशानेबाज आकाश को भी नियुक्ति मिली है, जिन्होंने वर्ष 2024 में नई दिल्ली में आयोजित डब्ल्यूएसपीएस विश्व कप तथा 2025 में दुबई के अल ऐन में आयोजित इसी प्रतियोगिता में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था।

पहले टेस्ट में बांए हाथ के तीन स्पिनरों को एकसाथ उतार सकती है भारतीय टीम –मोर्कल

गॉल। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा है यहां पिच से जिस प्रकार से स्पिनरों को सहायता मिलती है उसको देखते हुए श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम बांए हाथ के तीन स्पिनरों को उतर सकती है। मोर्कल के अनुसार भारतीय टीम अनुभवी स्पिरर कुलदीप यादव के अलावा युवा मानव सुथार और रविंद्र जडेजा जैसे तीन बाएं हाथ के स्पिनरों को अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है। कोच के अनुसार इन तीनों की गेंदबाजी में काफी विविधता होने के साथ ही इनकी विकेट लेने की क्षमता भी काफी अच्छी है।

मोर्कल के अनुसार, ये तीनों स्पिनरों की अपनी-अपनी अलग प्रकार की शैली है। कुलदीप जहां अपनी बाएं हाथ की कलाई की स्पिन से बल्लेबाजों को परेशान करते हैं जबकि जडेजा अपनी सटीक और गेंदबाजी से विकेट निकाल लेते हैं। मानव सुथार पारंपरिक बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी करते हैं, उनकी गेंद को अधिक टर्न मिलता है जिसे खेलना यहां की टर्निंग पिच पर बेहद मुश्किल रहेगा हैं। मोर्कल ने कहा, कुलदीप हमारे साथ हैं और वह एक आक्रामक गेंदबाज हैं। उनका अनुभव और स्तर हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मेरे ख्याल से ये सभी अपनी-अपनी तरह से अलग हैं। इसलिए एक साथ तीनों को रखा जा सकता है। इसे कोई नुकसान नहीं है। है। उन्होंने कहा कि इन सभी में हमारे लिए 20 विकेट लेने की क्षमता है, और यह कप्तान शुभमन गिल पर निर्भर करेगा कि वे उनका उपयोग कैसे करते हैं।

गौरतलब है कि गॉल की पिच के रिकॉर्ड और मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए, मोर्कल तीनो को एकसाथ उतारना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अगर आप परंपरागत रूप से इस मैदान को देखें और यहां मैच किस तरह खेले गए हैं तो मुझे लगता है कि तीन स्पिनरों के साथ उतरना सही रास्ता है। हमारे स्पिन आक्रमण को देखें तो काफी विकल्प है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि शुरुआत में यह एक अच्छी पिच लग रही है, लेकिन टेस्ट आगे बढ़ने के साथ इसमें बदलाव देखने को मिलेंगे। मोर्कल ने कहा कि टीम ने हर तरह के हालातों के लिए तैयार की है और इन परिस्थितियों में मानसिक मजबूती, लंबे समय तक बल्लेबाजी और सही क्षेत्रों में गेंदबाजी करना अहम होगा।

श्रीलंकाई कप्तान बोले, भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले को चौथे या पांचवें दिन तक खींचने का प्रयास करेंगे

टर्निंग विकेटों पर संघर्ष करते दिखे हैं भारतीय बल्लेबाज

कोलंबो । मेजबान श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने 15 अगस्त से यहां भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम की बनायी योजना का खुलासा करते हुए कहा है कि उनकी टीम इस मुकाबले को चौथे या पांचवें दिन तक खींचने का प्रयास करेगी। उनकी योजना शुरुआती दिनों में बल्लेबाजों को खेलने का अवसर देने की रहेगी जिससे पिच पुरानी होने पर भारतीय बल्लेबाजों के लिए स्पिनरों को खेलना कठिन हो जाएगा।

धनंजय के अनुसार भारतीय बल्लेबाज हाल के दिनों में टर्निंग विकेटों पर संघर्ष करते दिखे हैं। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार से पता चलता है। उन्होंने हालांकि माना है कि भारतीय टीम हमेशा ही इन विकेटों पर संघर्ष करती रही हो, ऐसा भी नहीं है। उन्होंने कहा, भारतीय टीम अपनी धरती पर टर्निंग विकेटों पर दो सीरीज हारी है पर ऐसा नहीं है कि उनको इस प्रकार के विकेटों पर खेलना नहीं आता है। वे निश्चित रूप से जीत के साथ वापसी करना चाहेंगे। इस प्रकार कहें तो श्रीलंकाई टीम का ध्यान भारतीय बल्लेबाजों की पिछली गलतियों को देखने की जगह पर गॉल के हालातों का फायदा उठाना रहेगा।

लंकाई कप्तान ने कहा कि उनका लक्ष्य मैच को लंबा खींचना है। इसक कारण है कि गॉल में समय के साथ ही पिच सतह का व्यवहार बदलता है। पिच टूटने और खुरदुरी होने के बाद स्पिनरों की भूमिका बढ़ जाती है। धनंजय ने कहा कि यदि वे मैच को चौथे और पांचवें दिन तक खींच पाए, तो भारत को हराने की उनकी संभावनाएँ अधिक होंगी। उनका लक्ष्य हालातों को जितना संभव हो सके उतना कठिन बनाकर भारतीय टीम को पूरी सीरीज में दबाव में रखना है।

गॉल में हाल ही में हुई बारिश के कारण भी कुछ नमी बनी हुई है, जिसके चलते विकेट शुरुआती दो-तीन दिनों में बल्लेबाजी के लिए बेहतर रह सकता है। इसके बाद धूप और खेल के कारण सतह के खराब होने पर स्पिनरों को सहायता मिलने की संभावना है। यही वजह है कि मेजबान टीम स्पिन के साथ अपने तेज गेंदबाजों को भी महत्वपूर्ण मान रही है, क्योंकि शुरुआती नमी तेज गेंदबाजों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

धनंजय ने कहा कि गॉल में पिच कम बदल जाती है ये बल्लेबाजों के लिए समझना कठिन होता है। उसी के हिसाब से कब रक्षात्मक होना है या कब रन बनाने का खतरा उठाना है ये देखना पड़ता है। वहीं हमारी टीम के खिलाड़ी जानते हैं कि यहां की पिच पर कब अपनी पारी को आगे बढ़ाना है। और उन्हें पता होता है कि गेंद कब टर्न करना शुरू करेगी। वहीं विदेशी बल्लेबाजों के लिए इसक अंदाजा लगाना कठिन होता है। बन जाती है।

साथ ही कहा कि इस रणनीति में प्रभात जयसूर्या की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने हाल ही में गॉल के हालातों का अच्छा इस्तेमाल किया करते हुए विदेशी बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया था। डी सिल्वा ने बताया कि जयसूर्या के पास गॉल में दोनों टीमों के मौजूदा खिलाड़ियों की तुलना में ज्यादा मैच खेलने का अनुभव है, जो श्रीलंका के लिए लाभदायक है।

वहीं कहा कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से भारतीय गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसका लाभ भी उनकी टीम को मिलेगा। उन्होंने ये भी माना है कि भारतीय टीम में अभी भी कई मैच विजेता मौजूद हैं इसलिए हमने उनके लिए काफी तैयार की है। मेजबान कप्तान ने शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल या ऋषभ पंत के बजाय केएल राहुल को सबसे बड़ा खतरा माना है।

विराट ने भारतीय टीम में जीत का विश्वास जगाया – हरभजन

चंडीगढ़। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विराट कोहली की कप्तानी की सराहना करते हुए कहा है कि विराट को भारतीय टीम में जीत का विश्वास जगाने और फिटनेस को लेकर एक बड़ा बदलाव लाने का श्रेय जाता है। जिससे खिलाड़ियों ने अपनी क्षमताओं को नए सिरे से समझा और उससे लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि कोहली लगातार अपने खिलाड़ियों को यह विश्वास दिलाते थे कि कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं है और उनकी क्षमता उनकी अपनी सोच से भी कहीं ज्यादा थी। कोहली को पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तब कप्तानी का मौका मिला था जब महेन्द्र सिंह धोनी ने टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

हरभजन ने कहा, जब लोग पूछते हैं कि भारतीय टीम में क्या बदलाव आया, तो मेरा जवाब सीधा होता है कि यह विराट की लाई हुई साधारण लेकिन प्रभावी मानसिकता थी। उन्होंने याद किया कि यह बदलाव सबसे पहले विराट साल 2014-15 में नियमित कप्तान बनने के बाद लाए थे। हरभजन ने बताया कि उससे पहले टीम आखिरी दिन 400 रन का लक्ष्य हासिल करने के बारे में नहीं सोचती थी, लेकिन विराट ने अपने साथियों से कहा, चलो कम से कम कोशिश तो करते हैं। हम हार सकते हैं, लेकिन अगर हम कोशिश करते रहेंगे तो एक दिन हम आखिरी पारी में 400 से अधिक रन जरूर बना लेंगे। यह एक ऐसी सोच थी जिसने टीम को हार के डर से निकलकर जीत के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

हरभजन ने आगे कहा कि विराट में जीतने की मानसिकता और ड्रॉ से संतुष्ट न होने का जज़्बा था। उन्होंने कहा, अगर हमें आखिरी दिन 10 विकेट लेने हों, तो हम इसके लिए पूरी कोशिश करेंगे। यह स्पष्ट था कि कोहली की लीडरशिप खिलाड़ियों को लगातार यह बताती रही कि कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं है ।हरभजन के अनुसार, कोहली का सबसे बड़ा योगदान भारतीय क्रिकेट में फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देना था।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतकर संन्यास लेने की है योजना - मिलर

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा है कि वह साल 2027 में अपनी धरती पर होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप को जीतने के बाद ही संन्यास लेना चाहते हैं। मिलर के अनुसार वह विश्वकप जीतकर ही खेल को अलविदा कहना चाहते हैं क्योंकि आज तक उनकी टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्वकप नहीं जीत पायी है। इस बार टूर्नामेंट अपनी धरती पर होने के कारण उनके पास काफी अच्छा अवसर है। टीम को घरेलू हालातों से भी लाभ मिलेगा। ऐसे में मिलर इस ऐतिहासिक अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहते हैं।

मिलर ने कहा, हाँ, मैं सच में इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। मेरे लिए यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे मैं हासिल करना चाहता हूँ। मैं अपने करियर के आखिरी दौर में ट्रॉफी के साथ विदाई लेना पसंद करूँगा। इसलिए, उस विश्व कप टीम का हिस्सा बनना मेरा लक्ष्य है। मिलर जानते हैं कि खेल में कोई गारंटी नहीं होती, लेकिन उनका ध्यान अभी से उस टीम में जगह बनाने और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने पर है। अपने प्रशंसकों के सामने और उन मैदानों पर खेलना जहाँ उन्होंने इतने सालों तक क्रिकेट खेला है, उनके लिए भावनात्मक रूप से भी बहुत खास होगा। एकदिवसीय विश्वकप 4 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा।

मिलर ने अपने लंबे करियर और खास तौर पर मैच फिनिशर होने पर भी गर्व व्यक्त किया। द हंड्रेड 2026 में सदर्न ब्रेव के लिए अपनी हालिया पारियों को लेकर उन्होंने कहा, शायद मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करके और मैच खत्म करके करियर बनाना ही वह बात है जिस पर मुझे सबसे ज्यादा गर्व है। इसमें महारत हासिल करने में काफी समय लगता है। मैं अभी भी लगातार सीख रहा हूँ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक दशक से अधिक समय से खेलने वाले मिलर के लिए सबसे यादगार पल 2022 में गुजरात टाइटंस के साथ खिताब जीतना रहा। उन्होंने बताया, आईपीएल में मेरा पसंदीदा पल वैसे तो कई पल रहे हैं, लेकिन जाहिर है कि हम जीतने के लिए खेलते हैं, इसलिए गुजरात टाइटंस के लिए आईपीएल जीतना ही मेरा सबसे पसंदीदा पल होगा। मिलर ने बताया, मुझे लगता है कि आरसीबी के खिलाफ बनाए गए 101 रन क्योंकि वह एक लक्ष्य का पीछा करते हुए बनाए गए थे, आईपीएल में मेरा पहला शतक और मेरा पहला टी20 शतक यह पारी मेरे लिए सबसे संतोषजनक रही। मुझे लगता है कि उस समय बहुत कुछ दांव पर लगा था, और अगर मैं अब पीछे मुड़कर देखूँ तो उस पारी ने मेरे करियर को एक नई दिशा दी।

जब हिरवानी की फिरकी पर बेबस हो गये थे कैरिबियाई बल्लेबाज

डेब्यू में ही 16 विकेट लेकर बनाया था रिकार्ड

मुम्बई । भारत में एक से बढ़कर एक स्पिनर हुए हैं। उन्हीं में से एक स्पिनर नरेन्द्र हिरवानी के नाम एक अनौखा रिकार्ड है। हिरवानी ने अपने पहले ही टेस्ट में 16 विकेट लेकर तहलका मचा दिया था। हालांकि उनका करियर अधिक लंबा नहीं चला पर उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही रिकार्ड जरुर बना दिया। हिरवानी ने ये विकेट भी उस समय की सबसे मजबूत रही वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ लिए थे। साल 1988 का ये मामला है। तब वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी बेहद मजबूत थी। ऐसे में चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में हुए मैच में भारतीय लेग स्पिनर नरेन्द्र हिरवानी ने अपने डेब्यू मैच में ही कैरिबियाई बल्लेबाजी का ढ़हा दिया था। हिरवानी ने चेन्नई की उस पिच पर अपनी रहस्यमयी स्पिन का ऐसा जाल बिछाया कि पूरी वेस्टइंडीज टीम उनकी फिरकी के सामने बेबस दिखी।

इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने कपिल देव के शानदार शतक की सहायता से 382 रनों का एक अच्छा स्कोर बनाया। वेस्टइंडीज से करारे जवाब की उम्मीद थी पर हिरवानी ने पहली पारी में सिर्फ 18.1 ओवर में ही केवल 61 रन देकर वेस्टइंडीज के आठ बल्लेबाजों को आउट कर दिया। उनकी धारदार गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज की पूरी टीम सिर्फ 184 रन ही बना पायी। जिससे भारतीय टीम को को 198 रनों की एक बड़ी और महत्वपूर्ण बढ़त मिली।

पहली पारी के बाद हिरवानी का जादू दूसरी पारी में भी चला। भारत ने अपनी दूसरी पारी 217 रन बनाकर घोषित की और पहली पारी की बढ़त को मिलाकर वेस्टइंडीज के सामने 416 रनों का एक विशाल और लगभग नामुमकिन लक्ष्य रखा। स्पिन के लिए मददगार चेन्नई की पिच पर इस लक्ष्य का पीछा करना बेहद चुनौतीपूर्ण था, और हिरवानी की घातक फिरकी ने इस चुनौती को और भी मुश्किल बना दिया।

हॉकी विश्व कप 2026 में बदले प्रारुप के कारण बढ़ेगा रोमांच

ब्रूसेल्स । 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स की संयुक्त मेजबानी में होने वाले पुरुष और महिला विश्व कप में इस बार प्रारुप में बदलाव किया गया है। इसके तहत अब पारंपरिक क्वार्टर फाइनल मुकाबले नहीं होंगे। यह एक बड़ा बदलाव है जो टीमों को शुरुआती चरण से ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहने पर मजबूर करेगा, क्योंकि अब हर मैच के परिणाम का प्रभाव सीधे सेमीफाइनल की राह तय करेगा। इससे हर मुकाबले का महत्व पहले से बढ़ गया है।

15 अगस्त को धूमधाम से मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस

पुलिस परेड ग्राउंड में होगा जिला स्तरीय मुख्य समारोह, कलेक्टर कुमार सत्यम फहराएंगे तिरंगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय बालाघाट में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह प्रात: 9 बजे से पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर कुमार सत्यम होंगे। वे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने 13 अगस्त को पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचकर मुख्य समारोह की तैयारियों एवं परेड की अंतिम रिहर्सल का निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह स्थल पर की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित

उपाध्याय, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम गोपाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेंगे आकर्षण का केंद्र

मुख्य समारोह में ध्वजारोहण एवं परेड की सलामी के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह में पुलिस एवं अन्य दलों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक सुरक्षा, यातायात, बैठक, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

मुख्य समारोह में तिरंगा झण्डा फहराने के पहले प्रात: 09 बजे राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन होगा। प्रात: 09:04 बजे मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री कुमार सत्यम द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। प्रात: 9:05 बजे राष्ट्रगान जन-गण-मन का गायन किया जाएगा। इसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया जाएगा। परेड निरीक्षण के पश्चात मार्च पास्ट किया जाएगा। प्रात: 9:30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। इसके पश्चात मुख्य अतिथि का उद्बोधन होगा और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे तथा पुरुष्कार वितरण किया जाएगा। प्रात: 11 बजे राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन होगा और इसके पश्चात राष्ट्रगान जन-गण-मन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में निकली तिरंगा रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में तिरंगा रैली एवं सेल्फी विद तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री रुचिका धुर्वे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

तिरंगा रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के प्रमुख क्षेत्रों से गुजरते हुए पुन: महाविद्यालय परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में एनएसएस स्वयंसेवकों एवं छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान छात्राओं ने वंदे मातरम तथा हर घर तिरंगा लहराएंगे, भारत की शान बढ़ाएंगे जैसे देशभक्ति नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

रैली के समापन के बाद महाविद्यालय परिसर में सेल्फी विद तिरंगा बूथ स्थापित किया गया। प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर, महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्राओं ने राष्ट्रध्वज के साथ सेल्फी लेकर हर घर तिरंगा पोर्टल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड की। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के साथ स्वतंत्रता दिवस को उत्साहपूर्वक मनाने का संदेश दिया गया। डिजिटल पहल सेल्फी विद तिरंगा को लेकर छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों एवं छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

भमोड़ी और खैरी में रेत के अवैध परिवहन पर खनिज विभाग की छापामार कार्रवाई, 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज अमले ने बालाघाट तहसील के ग्राम भमोड़ी एवं खैरी में छापामार कार्रवाई करते हुए खनिज रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 4 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है।

खनिज विभाग के अनुसार 12 अगस्त 2026 को ग्राम भमोड़ी में जांच के दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया। वहीं 13 अगस्त को ग्राम भमोड़ी से 2 तथा ग्राम खैरी से 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जब्त किए गए सभी वाहनों को अभिरक्षा की दृष्टि से कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) बालाघाट परिसर में रखा गया है। विभाग द्वारा इन सभी वाहनों

के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

घर-घर तिरंगा अभियान के तहत स्व-सहायता समूह की बहनों ने सैन्य एवं पुलिस कर्मियों को भेजा पत्र

बालाघाट नपा शहरी आजीविका मिशन ने विभिन्न नवाचार के साथ नागरिकों को किया तिरंगा फहराने प्रेरित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तिरंगा फहराने के राष्ट्रव्यापी अभियान तथा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद बालाघाट के शहरी आजीविका मिशन में पंजीकृत स्व-सहायता समूह की बहनों ने भारत की सीमा सुरक्षा में तैनात जवानों और पुलिस कर्मियों को पत्र लिखा। साथ ही 9 अगस्त से 17 अगस्त तक चलाये जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता, तिरंगे के साथ सेल्फी, वार्डो में पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं जागरूकता बढ़ाने नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिये प्रेरित किया गया।

नगर पालिका परिषद बालाघाट अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके तथा नपा में विभागों के सभापतियों के निर्देशन एवं संबंधित वार्डो के पार्षदों के साथ हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत बालाघाट कार्यालय में सेल्फी प्वाइंट तैयार किया गया एवं भारत माता एवं तिरंगे की आकर्षक रंगोली उकेरी गई। इसका उद्देश्य नागरिकों को अधिक से अधिक रंगे के साथ तस्वीरें लेकर अभियान से जोडना रहा है। अभियान को लेकर विभिन्न नवाचार किये गये जिसमें राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन नगरपालिका की

डे-एनयूएलएम टीम ने पंजीकृत स्वसहायता समूहों के साथ वार्डो में पहुंचकर घर-घर तिरंगा अभियान की जानकारी दी एवं दीनदयाल रसोई पहुंचकर नागरिकों को प्रेरित किया गया कि राष्ट्रीय ध्वज देश का अभिमान है इस भावना को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया।

स्व-सहायता समूह की बहनो ने देश की सीमा पर तैनात जवानों तथा जनसुरक्षा में करने वाले पुलिस कर्मियों को पत्र लेखन किया गया। वहीं नगर पालिका परिषद बालाघाट में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में पंजीकृत स्व सहायता समूह में मां स्व सहायता समूह, ओम शांति स्व सहायता समूह, नमस्वी स्व सहायता समूह, रानी दुर्गावती समूह, उज्वला समूह, अरिहंत समूह एवं अन्य समूह की बहनों तथा नगर पालिका एनयूएलएम की टीम द्वारा घर घर जाकर हर घर तिरंगा अभियान के लिये नागरिकों को प्रेरित किया गया। अभियान के तहत सभापति योगिता विनय बोपचे के साथ ही दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका सिटी मिशन मैनेजर श्रीमती ममता नगपुरे, दीपक बिठले, विशाल श्रीवास, धनेंद्र धुर्वे, लक्ष्मीचंद बहेटवार की उल्लेखनीय भूमिका रही।

मूकमाटी इंटरसिटी एक्सप्रेस और जबलपुर-चांदाफोर्ट ट्रेन का लामता स्टेशन पर स्टॉपेज देने की मांग

पद्मेश न्यूज। लामता। लामता रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग लंबे समय से क्षेत्रीय जनता द्वारा की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और रेलवे अधिकारियों द्वारा इस ओर अब तक कोई ठोस पहल नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों ने मूकमाटी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन तथा जबलपुर-चांदाफोर्ट ट्रेन का लामता स्टेशन पर स्टॉपेज देने की मांग की है।

लामता स्टेशन बालाघाट और नैनपुर के मध्य स्थित है। यहां एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव होने से बैहर, परसवाड़ा, चांगोटोला, उगली (सिवनी), चरेगांव सहित करीब 150 गांवों के यात्रियों को सीधा लाभ मिल सकता है। क्षेत्र की रेलवे समिति द्वारा पूर्व में रेलवे के जीएम तथा बालाघाट-सिवनी क्षेत्र के सांसदों को भी ज्ञापन सौंपकर लामता स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग की जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया।

रीवा-इतवारी ट्रेन का स्टॉपेज, लेकिन रोजाना नहीं चलने से परेशानी

लामता स्टेशन पर रीवा-इतवारी ट्रेन का स्टॉपेज दिया गया है, लेकिन यह ट्रेन प्रतिदिन संचालित नहीं होने के कारण क्षेत्र की जनता को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। लोगों का कहना है कि रोजाना चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज मिलने से शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, न्यायालयीन कार्य

और रोजगार से जुड़े यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

बसों के जरिए सफर करने को मजबूर जनता

लामता से नागपुर, रायपुर और चांदाफोर्ट की ओर सीधी यात्री ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण जरूरतमंद लोगों को महंगे किराए पर बसों से सफर करना पड़ रहा है। क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन इलाज, शिक्षा, कोर्ट-कचहरी, व्यापार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा करते हैं।

ट्रेन सुविधा समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को मजबूरी में बसों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

बस संचालकों को मिल रहा फायदा

लामता क्षेत्र से जबलपुर, रायपुर, नागपुर और गोंदिया सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए सीधी यात्री ट्रेन सुविधा पर्याप्त नहीं होने का फायदा बस संचालकों को मिल रहा है। यात्रियों का कहना है कि बालाघाट से लामता तक बस का किराया करीब 90 रुपये तक लिया जा रहा है, जबकि ट्रेन से इसी दूरी की यात्रा काफी कम किराए में की जा सकती है।

ऐसी स्थिति में मध्यवर्गीय और गरीब परिवारों के लोगों को बार-बार महंगे किराए पर यात्रा करने से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली को लेकर भी क्षेत्रवासियों में सवाल उठने लगे हैं।

50 किलोमीटर दूर बालाघाट जाना पड़ता है

लामता क्षेत्र काफी बड़ा है और इसके आसपास मलाजखंड, बैहर, परसवाड़ा, चांगोटोला सहित अनेक क्षेत्र जुड़े हुए हैं। यहां के यात्री, व्यापारी, किसान, मजदूर, विद्यार्थी और आम नागरिक लामता रेलवे स्टेशन से अपने गंतव्य की ओर यात्रा करते हैं।

एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं होने के कारण यात्रियों को एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए करीब 50 किलोमीटर दूर बालाघाट रेलवे स्टेशन जाना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है।

मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

क्षेत्रवासियों ने रेलवे और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि मूकमाटी इंटरसिटी एक्सप्रेस एवं जबलपुर-चांदाफोर्ट ट्रेन का लामता स्टेशन पर यथाशीघ्र ठहराव दिया जाए।

लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो क्षेत्र की जनता द्वारा लामता बंद, रेल रोको आंदोलन, चक्काजाम एवं धरना-प्रदर्शन जैसे आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि लामता स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव केवल लामता नगर की नहीं, बल्कि आसपास के सैकड़ों गांवों की आवश्यकता है। रेलवे और जनप्रतिनिधियों को जनहित में इस मांग पर शीघ्र निर्णय लेना चाहिए।

13 अगस्त को 4 बच्चे डिस्चार्ज, अब तक 97 बच्चे स्वस्थ होकर लौटे घर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम कुंडेकसा, अडोरी, कोरका एवं बोंदारी में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से प्रभावित बच्चों के उपचार और स्वास्थ्य निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मौसमी बीमारी, सर्दी-खांसी, बुखार, चर्मरोग, मीजल्स, स्कैबीज, टायफाइड एवं मलेरिया सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित कुल 117 बच्चों को 13 अगस्त 2026 तक जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है।

13 अगस्त को ग्राम कोरका के 4 बच्चों को स्वस्थ होने पर जिला अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। इन बच्चों को जिला अस्पताल से एम्बुलेंस द्वारा उनके घर तक पहुंचाया गया है। इसके साथ ही अब तक कुल 97 बच्चे पूर्णत: स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं। वर्तमान में 20 बच्चे अस्पताल में उपचाररत हैं। अस्पताल में भर्ती सभी बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य एवं संतोषजनक है तथा सभी खतरे से बाहर हैं।

20 टीमों द्वारा घर-घर स्वास्थ्य परीक्षण

स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावित ग्रामों में 20 सर्वेक्षण टीमों के माध्यम से घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। बीमार व्यक्तियों की जांच एवं आवश्यकता पड़ने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए 10 चिकित्सा अधिकारियों तथा 4 एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों एवं अन्य मरीजों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी कर रही हैं। आवश्यकता के अनुसार मरीजों को उपचार एवं दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है और प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाए रखा गया है।

घर-घर सर्वे में 519 मरीज पाये गए, 402 मरीज घर पर उपचार से ठीक हुए

अडोरी ग्राम पंचायत के ग्राम कुंडेकसा, कोरका एवं बोंदारी में बीमारी फैलने की जानकारी संज्ञान में आने के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन ग्रामों में 12 जुलाई से घर-घर जाकर सर्वे का कार्य प्रारंभ किया गया है। 13 अगस्त तक घर-घर जाकर सर्वे के दौरान 2220 व्यक्तियों की जांच की गई है। इस जांच के दौरान मलेरिया के 190, दस्त के 98, शरीर पर दाने के साथ बुखार के 88 एवं चर्म रोग के 143 मरीज पाये गए है। इस प्रकार 13 अगस्त तक कुल 519 मरीज सर्वे में पाये गए है। इनमें से घर पर उपचार के दौरान 402 मरीज ठीक हो गए है। अस्पताल में 117 मरीजों को भर्ती कराया गया है, इनमें से 97 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके है और 20 मरीजो का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

शासकीय कमला नेहरू कन्या विद्यालय ने निकाली भव्य तिरंगा रैली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कमला नेहरू शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय से १३ अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान के तहत देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना जागृत करने तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इसमें

विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं द्वारा एक विशाल और भव्य तिरंगा रैली निकाली गयी। जिसमें हाथों में लहराता राष्ट्रध्वज, मुख पर भारत माता के जयकारे और दिलों में देशभक्ति का जज्बा लिए छात्राएं सड़कों पर निकलीं तो पूरा नगर तिरंगे के रंग में सराबोर हो गया। रैली का शुभारंभ कमला नेहरू शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय प्रांगण से हुआ। विद्यालय परिसर से भारत माता की जय वंदे मातरम और हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा के नारे लगाये गये। जहाँ विद्यालय के शिक्षकों एवं प्राचार्य के मार्गदर्शन में अनुशासित पंक्तियों में बंधी छात्राएं जन जन को अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराने का संदेश दिया। स्कूल प्रांगण से प्रारंभ होकर यह तिरंगा रैली नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों, चौक चौराहों और अंदरूनी गलियों से होकर जय स्तंभ चौक पहुंची। इसके पश्चात रैली अपने तय मार्ग से होते हुए पुन: विद्यालय प्रांगण पहुंची जहाँ इसका विधिवत समापन किया गया। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिकायें सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रही।

तिरंगा यात्रा ने जगाया राष्ट्रभक्ति का जज़्बा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं जिला स्पोर्ट्स अकादमी बालाघाट के सहयोग से 13 अगस्त को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ हनुमान चौक से हुआ। इसमें जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हनुमान चौक पर आयोजित देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का गायन किया।

कार्यक्रम में बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ललित साक्यवार, उप महानिरीक्षक विनित जैन, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वयंसेवी संस्थाओं, रोटरी क्लब के सदस्यों, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, ओबीसी आयोग की सदस्य मौसम बिसेन, किरण भाई त्रिवेदी सहित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, प्राचार्यों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। हनुमान चौक से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा काली पुतली चौक एवं अंबेडकर चौक होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा में विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सहित अनेक महान राष्ट्रनायकों एवं महापुरुषों की झांकियां प्रस्तुत कीं। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से शहर को गुंजायमान कर दिया। पूरे मार्ग में देशभक्ति के गीतों, नारों और उत्साह के बीच तिरंगे के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला।

विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सामूहिक भागीदारी ने तिरंगा यात्रा को भव्य

और यादगार बना दिया। यह यात्रा राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना का जीवंत संदेश बनी।

पदमेश न्यूज़

शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जंगल बांस पिहरी तोड़ने गए युवक भालू के हमले में घायल- जिला अस्पताल में भर्ती

पदमेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र के खुंडूम जंगल में बुधवार सुबह बांस पिहरी तोड़ने गए एक युवक पर भालू ने हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक जीतलाल पिता नंदू उइके 25 वर्ष ग्राम आमानाला निवासी है। जिसे पहले बिठली के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद वन विभाग की मदद से उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार जीतलाल उइके अपने परिवार के साथ खेती और मजदूरी का काम करता है।13 अगस्त को सुबह करीब 7ः00 बजे जीतलाल गांव के कुछ अन्य लोगों के साथ खुंडूम के जंगल बांस पिहरी तोड़ने गया था। सभी लोग अलग-अलग होकर पिहरी ढूंढ रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों से भालू अपने दो शावक के साथ निकला और अचानक जीतलाल पर झपट पड़ा। भालू ने जीतलाल की जांघ और पीठ के हिस्से को जबड़े में पकड़ लिया। भालू के अचानक हमले से घबराकर जीतलाल के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास में पिहरी तोड़ रहे अन्य ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। लोगों को अपनी ओर आते देख भालू अपने दोनों शावक के साथ जंगल की ओर भाग गया।ग्रामीणों ने घायल जीतलाल को तुरंत घर पहुंचाया। वहां से उसे ग्राम बिठली के शासकीय अस्पताल पहुचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने जीतलाल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां उसका इलाज जारी है।

कुमादेही में व्यापारी के घर हथियारबंद डकैती

पेट्रोल मांगने के बहाने खुलवाया दरवाजा, पिस्टल चाकू और तलवार की नोक पर परिवार को बनाया बंधक, तीन सदस्यों से मारपीट कर 13.50 लाख नगद और करीब 50 लाख के सोने-चांदी के जेवर लूटे

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम कुमादेही में बुधवार की रात हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने एक व्यापारी के घर धावा बोलकर सनसनीखेज डकैती की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने पहले पेट्रोल मांगने के बहाने घर का दरवाजा खुलवाया और दरवाजा खुलते ही तीनों बदमाश जबरन घर के अंदर घुस गए। हथियारों से लैस बदमाशों ने व्यापारी और उसके परिवार के सदस्यों को पिस्टल, चाकू और तलवार की नोक पर बंधक बना लिया। विरोध करने पर परिवार के तीन सदस्यों के साथ बेल्ट से मारपीट की गई। इसके बाद बदमाशों ने घर में रखा संदूक लोहे की रॉड से तोड़कर करीब 13.50 लाख रुपये नकद, 10 तोला सोना, दो किलो चांदी सहित लगभग 50 लाख रुपये का माल लूट लिया। वारदात के बाद बदमाश परिवार को कमरे में बंद कर मौके से फरार हो गए।

रात 11 बजे पेट्रोल मांगने पहुंचा था बदमाश

ग्राम कुमादेही निवासी व्यापारी तेजराम ठाकरे 64 वर्ष का मकान मंडला मार्ग पर स्थित है। इसी मकान में उनकी किराना, हार्डवेयर और कृषि केंद्र की दुकान संचालित होती है। घर में एटीएम मशीन भी लगी हुई है।पीड़ित व्यापारी तेजराम ठाकरे के अनुसार 12 अगस्त की रात करीब 11 बजे एक युवक उनके घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाकर कहा कि उसकी गाड़ी खराब हो गई है और उसे पेट्रोल की जरूरत है। तेजराम ने घर में पेट्रोल नहीं होने की बात कही, लेकिन युवक लगातार दरवाजा पीटता रहा। कुछ देर बाद जैसे ही व्यापारी ने दरवाजा खोला, उसके साथ मौजूद दो अन्य नकाबपोश युवक भी जबरन घर के अंदर घुस आए।

अंदर घुसते ही व्यापारी को जमीन पर पटका

घर में घुसते ही तीनों बदमाशों ने तेजराम ठाकरे को जमीन पर पटक दिया। एक बदमाश ने उनकी गर्दन पर चाकू तो दूसरे ने तलवार रखकर उन्हें धमकाया। इस दौरान व्यापारी के साथ मारपीट भी की गई। शोर सुनकर उनकी पत्नी तानन ठाकरे बाहर आईं तो बदमाशों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद बदमाश पति-पत्नी को उनके पुत्र प्रकाश ठाकरे के कमरे में ले गए। यहां पिस्टल और तलवार की नोक पर परिवार को आतंकित किया गया। बदमाशों ने प्रकाश ठाकरे के साथ भी बेल्ट से मारपीट की। हथियारों के डर से परिवार के सदस्य बदमाशों का विरोध नहीं कर सके।

रॉड से संदूक तोड़कर निकाली नगदी और जेवर

परिवार को आतंकित करने के बाद बदमाशों ने घर में रखे संदूक को लोहे की रॉड से तोड़ दिया। संदूक में रखे 13.50 लाख रुपये नगद, करीब 10 तोला सोना, रानी हार, मंगलसूत्र, कान के झुमके और करीब दो किलो चांदी निकाल ली। बदमाशों ने व्यापारी की पत्नी के गले से मंगलसूत्र और कानों के झुमके भी उतरवा लिए।पीड़ित परिवार के अनुसार बदमाश करीब 50 लाख रुपये का माल समेटकर ले गए। तीनों बदमाशों की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

परिवार को कमरे में बंद कर हुए फरार

लूटपाट पूरी करने के बाद बदमाशों ने व्यापारी और उसके परिवार के सदस्यों को एक कमरे में बंद कर दिया और वहां से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद परिवार के सदस्यों ने किसी तरह कमरे का दरवाजा तोड़ा और बाहर निकले। इसके बाद पड़ोसी के फोन से रात में ही बैहर पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पीड़ित परिवार से पूछताछ कर घटना से संबंधित जानकारी जुटाई और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।

एफएसएल और फिंगरप्रिंट टीम ने जुटाए साक्ष्य

मामले की गंभीरता को देखते हुए 13 अगस्त को बालाघाट से एफएसएल और फिंगरप्रिंट टीम को कुमादेही बुलाया गया। विशेषज्ञ टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और संभावित साक्ष्य जुटाए। पुलिस द्वारा वारदात के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।पुलिस बदमाशों के आने और भागने के रास्तों की जानकारी जुटाने के साथ ही यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने व्यापारी के घर की पहले से रेकी की थी या नहीं। पुलिस को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

जिले में लगातार हो रही लूट की वारदातों से बढ़ी दहशत

कुमादेही में हुई इस वारदात के बाद आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि जिले में लगातार लूट की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे पहले लांजी और किरनापुर थाना क्षेत्रों में सराफा कारोबारियों से लाखों रुपये की लूट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं के आरोपितों के अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर होने की बात भी सामने आ रही है।ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही वारदातों के बावजूद गांवों में रात के समय पुलिस की नियमित गश्त नजर नहीं आती। इसी कारण अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं और वे बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

ग्रामीणों ने की रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

कुमादेही की घटना के बाद ग्रामीणों ने गांवों में रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि व्यापारियों के घरों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। पुलिस को ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत है।

पुलिस के सामने बदमाशों की गिरफ्तारी और लूटे माल की बरामदगी चुनौती

हथियारों के बल पर परिवार को बंधक बनाकर लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात लूटने की इस वारदात ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल और फिंगरप्रिंट टीम की जांच तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। अब क्षेत्रवासियों की नजर पुलिस द्वारा मामले के जल्द खुलासे और आरोपितों की गिरफ्तारी पर टिकी हुई है।

बस किराए में बढ़ोतरी के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन, निजी कर्मचारियों को भी राहत देने की उठी मांग

बब्बर सेना के नेतृत्व में निकली रैली, बढ़ा हुआ किराया वापस लेने के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में यात्री बसों के किराए में हुई वृद्धि का विरोध अब तेज होने लगा है। बढ़े हुए किराए से सबसे अधिक प्रभावित स्कूली और कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी हो रहे हैं। लगातार बढ़ रहे आर्थिक बोझ को देखते हुए छात्रों और आम नागरिकों ने किराए में कमी की मांग उठानी शुरू कर दी है। इसी मांग को लेकर 13 अगस्त को बब्बर सेना, स्कूली विद्यार्थियों, कॉलेज के छात्रों और निजी कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने स्थानीय अंबेडकर चौक से कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकालकर प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन, परिवहन विभाग और बालाघाट बस एसोसिएशन के नाम ज्ञापन सौंपकर बढ़े हुए बस किराए को वापस लेने की मांग की गई। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि बस किराए में हुई वृद्धि का सबसे अधिक असर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। जिले के कई छात्र प्रतिदिन गांवों से शहर स्थित स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों में पढ़ाई करने के लिए आते हैं। ऐसे में किराए में वृद्धि के कारण उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी भी इस बढ़े हुए किराए से प्रभावित हो रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आने वाले निजी अस्पतालों में कार्यरत नर्स, निजी विद्यालयों के शिक्षक और अन्य निजी संस्थानों के कर्मचारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश लोगों की मासिक आय 10 से 12 हजार रुपये के बीच है, जबकि उन्हें प्रतिदिन आवागमन के लिए बस सेवा का उपयोग करना पड़ता है। रैली का नेतृत्व कर रहे जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि मुकेश माहुले ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि बस किराए में हुई वृद्धि का सीधा प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए और विद्यार्थियों तथा निजी क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए विशेष रियायत की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मध्यम वर्गीय परिवार पहले से ही आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। ऐसे में बस किराए में वृद्धि ने उनकी परेशानियों को और बढ़ा दिया है। कई लोग कम वेतन में निजी संस्थानों में कार्य कर रहे हैं और उन्हें प्रतिदिन जिला मुख्यालय तक आने-जाने के लिए अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि वे पहले से ही पढ़ाई, किताबों, कोचिंग और अन्य शैक्षणिक खर्चों का बोझ उठा रहे हैं। अब बस किराए में हुई वृद्धि के कारण उनकी आर्थिक परेशानियां और बढ़ गई हैं। उनका कहना है कि यदि किराए में जल्द कमी नहीं की गई तो कई विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि दूरस्थ गांवों से आने वाले स्कूली और कॉलेज के छात्र-छात्राओं, कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों, पुस्तकालयों में अध्ययन करने वाले युवाओं तथा निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को बस किराए में विशेष छूट दी जाए। इसके साथ ही बढ़े हुए किराए को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की भी मांग उठाई गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट